

सतना

24 अक्टूबर 2026

शनिवार



दैनिक

मीडिया ऑडिटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

: ब्रीफ बॉक्स :

एमपी में 7 दिन से आंधी-बारिश, 5 जिलों में अलर्ट

उत्तराखंड के नैनीताल में लैंडस्लाइड, 2 की मौत



नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य प्रदेश में मानसून की विदाई के बाद भी आंधी-बारिश का दौर जारी है। प्रदेश के पश्चिमी हिस्से में 7 दिन से बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को इंदौर संभाग के आलीराजपुर, बड़वानी, खरगोन, खंडवा और बुरहानपुर में अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने की संभावना है। उत्तराखंड के नैनीताल में देर शाम पहाड़ी से अचानक मलबा गिरने से एक महिला समेत 2 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं, पहाड़ी जिलों में आज बारिश और ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी होने की संभावना है। तमिलनाडु के कल्लुक्ुरिची में लगातार दूसरे दिन बारिश हो रही है। उत्तुंदुरपेट और आसपास के इलाकों में भी बारिश का दौर जारी है।

एससी-एसटी एक्ट के दुरुपयोग पर शीर्ष अदालत सख्त

कहा- कर्ज वसूली के विवाद को जातिगत भेदभाव का रंग न



दें

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने एससी-एसटी एक्ट के दुरुपयोग पर सख्त टिप्पणी की है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि कर्ज वसूली जैसे व्यावसायिक विवाद को जातिगत अत्याचार का रंग नहीं दिया जा सकता। ऐसे मामलों में आपराधिक मुकदमा चलाना कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग है। कोर्ट ने कहा कि जाति के आधार पर अपमान का ठोस आरोप होना आवश्यक है। इसी आधार पर सिस्टिंस जेबी पारदीवाला व जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारियों के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट के तहत दर्ज एफआईआर रद्द कर दी।

अमेरिकी मेडिकल लैब पर साइबर अटैक मरीजों का डेटा लीक



न्यू जर्सी, एजेंसी। अमेरिका की बड़ी मेडिकल जांच कंपनियों में शामिल क्वेस्ट डायग्नोस्टिक्स पर साइबर हमला हुआ है। इस हमले में हैकर्स ने मरीजों की मेडिकल रिपोर्ट और उनकी निजी जानकारी तक पहुंच बना ली। अभी तक क्वेस्ट डायग्नोस्टिक्स ने यह नहीं बताया है कि साइबर हमले से कितने मरीज प्रभावित हुए हैं। कंपनी के मुताबिक, कितने मरीजों की जानकारी तक पहुंच बनाई गई और कौन-कौन से रिकॉर्ड प्रभावित हुए, इसकी जांच जारी है। कंपनी ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी।

‘चिन्मय अमृत महोत्सव’:पीएम मोदी ने स्वामी चिन्मयानंद के होलोग्राम से बात की

● चिन्मय मिशन के 75 साल पूरे ● दुनियाभर में 350 से ज्यादा सेंटर

दिल्ली, एजेंसी। पीएम मोदी शुक्रवार को दिल्ली के भारत मंडपम में ‘चिन्मय अमृत महोत्सव’ के कार्यक्रम में पहुंचे। यहां उन्होंने स्वामी चिन्मयानंद के होलोग्राम से बात की। स्वामीजी का निधन 3 अगस्त 1993 में हुआ था। स्वामीजी के होलोग्राम ने कहा कि आपसे मेरी मुलाकात पहली बार फरवरी 1993 में हुई थी। आप मुझे शिकागो में विश्व धर्म संसद के शताब्दी कार्यक्रम में आमंत्रित करने आए थे। मोदी ने जवाब दिया कि मैं खुशनसीब हूँ कि फिर मुझे आपके दर्शन का सौभाग्य मिला। होलोग्राम एक ऐसी 3डी तकनीक है, जिसमें किसी व्यक्ति या वस्तु की तस्वीर



असली जैसी दिखाई देती है और उसे अलग-अलग एंगल से देखने का एहसास होता है। चिन्मय मिशन का तीन दिन का कार्यक्रम 23 से 25 अक्टूबर तक चलेगा। चिन्मय मिशन के 75 साल पूरे होने पर सालभर से देश के अलग-अलग हिस्सों में कार्यक्रम हुए थे।

मोदी बोले- विकसित भारत

और चिन्मय मिशन का रास्ता एक: बीते दशकों में समय बदला है। देश के सामने नई चुनौतियां पैदा हुई हैं। आज उसके समाधान का काम हम सबके सामने है। आज हमें आत्मनिर्भरता के लिए देश को जागरूक करना है। हमें 2047 के विकसित भारत संकल्प से सबको जोड़ना है। जब भारत अपनी आजादी

अब देश ऋषियों-राष्ट्रभक्तों की राह पर... आज उत्तर से दक्षिण, पूर्व से पश्चिम भारत का सांस्कृतिक पुनर्जागरण हो रहा है। अयोध्या राम मंदिर हो, उज्जैन का महाकाल धाम हो या केदारनाथ या बद्रीनाथ हो, हर जगह ऐसा ही हो रहा है।

के 100 साल पूरे करेगा, जब चिन्मय मिशन भी 100 साल पूरे करेगा। यानी विकसित भारत और चिन्मय मिशन का रास्ता एक है। मुझे विश्वास है, आप सब मिलकर विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएंगे। एक समय भारत से बहुत सी मूर्तियां चोरी कर विदेश ले जाई गईं। इन्हें बेच दिया गया।

आईटीबीपी डीजी बोले- चीन से अरुणाचल में झड़पें जारी सैन्य ताकत में वह काफी आगे, अब पुराने तरीकों से मुकाबला मुश्किल

नई दिल्ली, एजेंसी। ITBP के DG शत्रुजीत कपूर ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में अरुणाचल प्रदेश में चीन और भारत के सैनिक आमने-सामने आ गए थे। कई जगह टकराव की स्थिति भी बनी। यह अभी भी जारी है। शत्रुजीत गुरुवार को राजस्थान के अलवर के सेंट्रल ट्रेनिंग कॉलेज में हिमवीर सम्मान समारोह में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि जुलाई के अंत से अरुणाचल प्रदेश में ऊपरी सुबनसिरी जिले के असाफिला और माजा इलाके में तनाव बना हुआ है। भारत ने भी सीमा पर अपनी तैनाती बढ़ा दी है।



तनाव बरकरार रहा। इसी बीच सितंबर में 18वां ब्रिक्स सम्मेलन भी हुआ, जिसमें हिस्सा लेने के लिए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत आए थे। शत्रुजीत ने कहा कि ड्रोन ने पारंपरिक युद्ध का तरीका काफी बदल दिया है। ITBP ड्रोन बनाने और एंटी-ड्रोन क्षमता मजबूत करने पर काम कर रही है। उन्होंने यह भी बताया कि ऋष्ट के पास अपने संसाधनों की सुरक्षा के लिए ITBP भूमिगत शेल्टर बना रहा है।

कांग्रेस ने चुप रहने का आरोप लगाया... कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने सरकार पर इन टकरावों पर चुप रहने का आरोप लगाया। उन्होंने एक्स पर लिखा, ‘19 जून 2020 को प्रधानमंत्री की वैन को दी गई बदनाम वलीन चिट की कीमत भारत चुका रहा है।’

प्रधानमंत्री की चीन को लेकर सोची-समझी रियायतें जारी हैं, तब ITBP DG ने अरुणाचल प्रदेश में PLA के साथ हालिया फेसऑफ में बल के प्रदर्शन की सराहना की है।

भारत बोला- पाकिस्तान अल्पसंख्यकों पर हमें नसीहत न दे

पाक का आरोप- फर्जी मुठभेड़ में कश्मीरी मर रहे, उन्हें सम्मान से दफनाने का हक भी नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में गुरुवार को भारत और पाकिस्तान के बीच धार्मिक आजादी और मानवाधिकारों को लेकर तीखी बहस हुई। भारत ने पाकिस्तान पर अपने धार्मिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा नहीं करने का आरोप लगाया।



कहा कि जो देश अपने अल्पसंख्यकों की सुरक्षा नहीं कर सकता, उसे भारत को नसीहत देने का कोई हक नहीं है। इसके पहले पाकिस्तान ने आरोप लगाया था कि जम्मू-कश्मीर में लोग फर्जी मुठभेड़ों में मारे जा रहे हैं। उन्हें सम्मान

के साथ दफनाने का हक भी नहीं दिया जाता। भाविका मंगलानंदन ने यह बात ह की नसीहत देने का कोई हक नहीं है। इसके पहले पाकिस्तान ने आरोप लगाया था कि जम्मू-कश्मीर में लोग फर्जी मुठभेड़ों में मारे जा रहे हैं। उन्हें सम्मान

भारत पर पाकिस्तान ने क्या आरोप लगाया था? भारत में मुस्लिमों का मुद्दा: भारत में मुस्लिमों को निशाना बनाया जाता है और उनके खिलाफ हिंसा होती है।

के लिए विकासशील देशों को जिम्मेदार ठहराया गया था। **धार्मिक आजादी की रिपोर्ट:** UN की विशेष रिपोर्टर से धार्मिक अल्पसंख्यकों, खासकर कब्जे वाले इलाकों में रहने वाले लोगों की स्थिति पर रिपोर्टिंग जारी रखने की अपील की।

यूरोप का दूसरा बड़ा हथियार सप्लायर बना भारत

रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से 8000 करोड़ के गोला-बारूद सप्लाई किए, एक्सपोर्ट 1600% बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत वैश्विक हथियार निर्यातक के रूप में उभरा है। ट्रेड डेटा मॉनिटर के अनुसार, रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद भारत ने यूरोपीय देशों को 8,271 करोड़ रुपए के गोला-बारूद सप्लाई किए, जिनमें आर्टिलरी और मोर्टार शेल शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्वी और मध्य यूरोप को भारत का रक्षा निर्यात 1600% बढ़ा है। भारत अब दक्षिण कोरिया के बाद इस क्षेत्र का दूसरा सबसे बड़ा गोला-बारूद सप्लायर



है। चार साल पहले 28वें भारत के स्थान पर था। वहीं, मार्च 2026 तक भारत इजराइल को विमान, हेलिकॉप्टर और ड्रोन के पुर्जे सप्लाई करने वाला तीसरा सबसे बड़ा विदेशी

आपूर्तिकर्ता बन गया, जो 2023 में नौवें स्थान पर था। भारत के पास इसका एक विकसित रक्षा उद्योग है। वहीं, किंग्स कॉलेज लंदन में राजनीति विज्ञानी वॉल्टर लाडविग कहते हैं कि भारतीय

भारत के पास बड़ी डिफेंस इंडस्ट्री, यूरोप को जरूरत... हथियारों के व्यापार पर रिसर्च करने वाली स्वीडन की संस्था सिगपरी के सीनियर रिसर्चर सिमोन वेजमैन का कहना है कि यूक्रेन की जरूरतों और यूरोप की रक्षा मांगों को पूरा करने के लिए भारत से हथियार इम्पोर्ट किए जा रहे हैं।

कंपनियां सीधे यूक्रेन को हथियार देने के बजाय यूरोपीय देशों को बेच रही हैं।

तिब्बत में 7 तीव्रता का भूकंप 16 मौतें, 54 घायल

10 किमी गहराई में था केंद्र पाकिस्तान-अफगानिस्तान में भी झटके

ल्हासा, एजेंसी। तिब्बत में गुरुवार रात करीब 8 बजे 7 तीव्रता का भूकंप आया। इसमें 16 लोगों की मौत हो गई और 54 लोग घायल हो गए। भूकंप का केंद्र तिब्बत की राजधानी ल्हासा से करीब 400 किलोमीटर दूर तिब्बत के नागकु क्षेत्र में जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई पर था। चीन के भूकंप नेटवर्क केंद्र (CENC) के मुताबिक भूकंप के झटके स्थानीय इलाके में साफ महसूस किए गए। वहीं, पाकिस्तान में 4.9 और अफगानिस्तान में 4.1 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं।



आया था। इसमें कम से कम 2,698 लोगों की मौत हुई थी और करीब 300 लोग लापता हो गए थे।

तिब्बत में पहले भी भूकंप मचा चुके तबाही... तिब्बत दुनिया के उन इलाकों में शामिल है, जहां भूकंप आने का खतरा ज्यादा रहता है। यहां भारतीय और यूरोशियन टेक्टॉनिक प्लेटें आपस में टकराती हैं। इनकी हलचल से हिमालय पर्वत बना है, लेकिन इसी वजह से इलाके में भूकंप भी आते रहते हैं।

जनवरी 2025 में तिब्बत के तिंंगरी काउंटी में 7.1 तीव्रता का भूकंप आया था। इसमें तिब्बत में करीब 400 लोगों की मौत हुई थी, जबकि पड़ोसी नेपाल में 13 लोगों की जान गई थी। इसके झटके उत्तर भारत समेत दक्षिण एशिया के कई हिस्सों में महसूस किए गए थे। इससे पहले 2010 में पड़ोसी चीनी प्रांत छिंगहाई के युशू में 7.1 तीव्रता का भूकंप

चुनाव आयोग के अफसर पर बिना चर्चा फैसले लेने का आरोप

आरटीआई से खुलासा- दो चुनाव आयुक्तों ने कैबिनेट सेक्रेटरी से शिकायत की, लेकिन कार्रवाई नहीं



नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग के अफसर मनीष गर्ग के कामकाज के विवाद पर अब नई जानकारी सामने आई है। RTI से खुलासा हुआ है कि दो चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन को अलग-अलग लेटर लिखकर उनके कामकाज की शिकायत की थी। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। RTI जवाब में बताया गया, कैबिनेट सचिवालय ने ये शिकायतें चुनाव आयोग की ओर से आधिकारिक नहीं मानीं। सचिवालय का मानना था कि इस स्तर पर कार्रवाई करना उचित नहीं होगा। इसे संवैधानिक संस्था के काम में दखल माना जा सकता है।

यह जानकारी RTI एक्टिविस्ट लोकेश के. बत्रा को दी गई। गर्ग पर

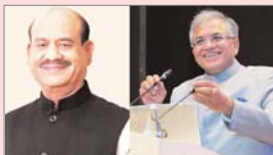
आरोप है कि उन्होंने चुनाव आयोग या संबंधित अधिकारियों से चर्चा किए बिना वरिष्ठ अधिकारियों के कामकाज को बदलने वाला आदेश जारी किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों आयुक्तों ने उनके आदेश को पलट दिया था। 30 जुलाई को दोनों चुनाव आयुक्तों ने मनीष गर्ग के काम के बंटवारे से जुड़ा आदेश रद्द कर दिया। साथ ही, निर्देश दिया कि आयोग में किसी बदलाव पर सहमति बनने तक पुरानी व्यवस्था जारी रहेगी।

गर्ग 2024 में चुनाव आयुक्त में नियुक्त हुए: मनीष गर्ग 1996 बैच के हिमाचल प्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। अगस्त 2024 में केंद्र सरकार की कैबिनेट नियुक्ति समिति (एससीसी) ने उन्हें

बिरला बोले- सीईसी पर महाभियोग नोटिस आया तो जांच होगी

● विपक्ष के पहले 2 नोटिस संसद से खारिज हो चुके ● नया प्रस्ताव लाने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने गुरुवार को कहा कि अगर मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए विपक्ष नया महाभियोग प्रस्ताव लाता है, तो उस पर विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नोटिस मिलने पर नियमों और तय प्रक्रिया के तहत उसकी जांच होगी। ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए विपक्ष अब तक दो बार नोटिस दे चुका है। पहली बार लोकसभा और राज्यसभा से नोटिस खारिज कर दिए गए थे। दूसरी बार राज्यसभा में दिए गए



नोटिस पर अभी फैसला होना बाकी है। सरकार इसी महीने संसद का विशेष सत्र बुला सकती है। विपक्ष इसमें तीसरी बार ज्ञानेश कुमार को हटाने का प्रस्ताव ला सकता है। विपक्ष समेत कई संगठन SIA में गड़बड़ी का आरोप लगाकर देश के अलग-अलग हिस्सों में ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग तको लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

चुनाव आयोग में उप चुनाव आयुक्त बनाने की मंजूरी दी थी।

उन्होंने 2 सितंबर 2024 को पद संभाला।

देश के सबसे बड़े न्यूक्लियर प्लांट में सॉफ्टवेयर हटाए:

नई रूसी हार्डवेयर तकनीक का इस्तेमाल होगा; 10 साल मे 2 बड़े साइबर अटैक हुए थे

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूक्लियर प्लांट्स में सॉफ्टवेयर क्रैश और साइबर हमलों के खतरों से बचने के लिए भारत में नई तकनीक का इस्तेमाल शुरू किया जा रहा है। रूस में बनी यह हार्डवेयर-आधारित तकनीक फिलहाल तमिलनाडु में स्थित देश के सबसे बड़े न्यूक्लियर प्लांट में लगाई जा रही है।



सॉफ्टवेयर के बिना चलेगा: यह

और एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर के काम करती है। इनका मकसद सॉफ्टवेयर पर

निर्भरता घटाना है, ताकि साइबर हमले या कोई गड़बड़ी होने पर भी सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित न हो।

सभी जरूरी जांच पूरी होने के बाद इन्हें यूनिट 3 और 4 की सुरक्षा व्यवस्था में शामिल किया जाएगा। कुंडनकुलम की पहली दो इकाइयों के संचालन से मिले अनुभवों को ध्यान में रखकर नई इकाइयों के लिए सुरक्षा व्यवस्था तैयार की गई है।

जानिए नए सिस्टम की खासियत: पहले क्या थी दिक्कत: कंप्यूटर सॉफ्टवेयर व माइक्रोप्रोसेसरों में कोडिंग में बग आ जाए, ऑपरेटिंग

सिस्टम क्रैश हो जाए या तकनीकी दिक्कत पर सुरक्षा सिग्नलों का प्रोसेसिंग रुकने का खतरा है। एक यूनिट में गड़बड़ी पर पूरा सेंट्रल सिस्टम एक साथ ठप हो सकता था, क्योंकि उनकी सुरक्षा प्रणालियां पूरी तरह डिजिटल कोडिंग पर निर्भर थीं।

नए सिस्टम में क्या अलग: ‘नॉन-प्रोग्रामेबल मॉड्यूल’ का इस्तेमाल किया गया है। यानी अब ये उपकरण बिना माइक्रोप्रोसेसर और बिना सॉफ्टवेयर के सीधे हार्डवेयर सर्किट के आधार पर काम करेंगे। इससे तकनीकी खराबी या सॉफ्टवेयर क्रैश की स्थिति में भी प्लांट

की सुरक्षा पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

ऑटोमेटेड सेफ्टी: यदि रिएक्टर में तय सीमा से अधिक तापमान या दबाव बढ़ता है, तो यह सिस्टम तुरंत एक्विटव ठप हो सकता था, क्योंकि उनकी सुरक्षा आपातकालीन उपकरणों को आदेश भेजता है। इससे रिएक्टर अपने आप ठंडा होने लगता है और किसी भी बड़े हादसे का खतरा टल जाता है।

साइबर हमलों से सुरक्षा: बिना प्रोग्रामिंग वाला हार्डवेयर सर्किट होने के कारण इस सुरक्षा प्रणाली में बाहर से किसी भी तरह की डिजिटल सेंधमारी या साइबर घुसपैठ करना मुश्किल होता है।

दिल्ली में बैठकर अमेरिकियों से ठगी, एप्पल का टेक्निकल असिस्टेंट बनकर चला रहे थे फर्जी कॉल सेंटर, 6 गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में बैठकर अमेरिकी नागरिकों को एप्पल कंपनी का तकनीकी सहायक बताकर ठगने वाले अंतरराष्ट्रीय फर्जी कॉल सेंटर का परिचामी जिले की साइबर पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। तिलक नगर के ओल्ड महावीर नगर स्थित इमारत की चौथी मंजिल पर चल रहे इस कॉल सेंटर से दो युवतियाँ समेत छह आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों में नागालैंड निवासी डेविड उर्फ माइक, दिल्ली निवासी अभिषेक खुंगर उर्फ जान, तंजीम उर्फ एडेन बाउन, प्रभात सिंह उर्फ आदम, सेवीनार और हेलेना शामिल हैं। पुलिस ने मौके से चार लैपटॉप, आठ मोबाइल फोन और कई अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए हैं।

संदेश में एक टोल फ्री नंबर दिया जाता: पुलिस के अनुसार, आरोपित अमेरिकी नागरिकों के मोबाइल फोन और अन्य उपकरणों पर फर्जी पाप-अप संदेश भेजते थे।



संदेश में दावा किया जाता था कि उनकी एप्पल आइडी से ऐप स्टोर पर 149.99 अमेरिकी डॉलर का सॉफ्टवेयर लेनदेन हुआ है। खतों को सुरक्षित रखने और समस्या दूर करने के नाम

पर संदेश में एक टोल फ्री नंबर दिया जाता था।

खुद को एप्पल का तकनीकी सहायक बताते: पीड़ित जब उस नंबर पर फोन करते

थे, तो आरोपित एक्स-लाइट और माइक्रो एसआईपी डायलर के जरिये उनकी कॉल रिसीव करते थे। वे खुद को एप्पल का तकनीकी सहायक बताकर भरोसा जीतते और व्यक्तिगत जानकारी हासिल करते थे। इसके बाद बैंक अधिकारी बनकर काल ट्रांसफर

करने और समस्या सुलझाने का झांसा दिया जाता था। आरोपित पीड़ितों से वालमार्ट या एप्पल के गिफ्ट कार्ड के जरिये रकम लेते थे। वे अमेरिकी नागरिकों से बातचीत के लिए अंग्रेजी में तैयार विशेष स्क्रिप्ट का इस्तेमाल करते थे।

वेब कैम पर काली टेप चिपकी मिली

गुप्त सूचना पर साइबर पुलिस थाने की टीम ने चल रहे इस फर्जी कॉल सेंटर पर छापेमारी की थी। जांच में सभी इस्तेमाल किए जा रहे लैपटॉप के वेब कैम पर काली टेप चिपकी मिली। पुलिस को आशंका है कि ऐसा गतिविधियों की रिकॉर्डिंग से बचने के लिए किया गया होगा। पुलिस के अनुसार, आरोपित बिना वैध लाइसेंस या प्राधिकरण के वीओआईपी कॉलिंग और अवैध टेलीकाम नेटवर्क के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय काल कर रहे थे। इस गतिविधि में टेलीकाम नियमों के उल्लंघन और सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाने का मामला भी सामने आया है।

ऐंटी गैर रकम की जानकारी जुटा रही पुलिस: छापेमारी में चार लैपटॉप, आठ मोबाइल फोन, चार हेडफोन, चार लैपटॉप चार्जर, दो वाई-फाई राउटर और मोडेम एडॉप्टर बरामद किए गए। लैपटॉप में एपीओ और लेनोवो, जबकि मोबाइल फोन में आईफोन, रेडमी और वीवो समेत विभिन्न कंपनियों के उपकरण मिले हैं। पुलिस गिराह के नेटवर्क, ठगी के शिकार अमेरिकी नागरिकों और उनसे ऐंटी गैर रकम की जानकारी जुटा रही है।

तमिलनाडु में 16 साल लड़के ने की आत्महत्या, मां का आरोप- स्कूल में बीफ खाने को लेकर उड़ाया मजाक



कोयंबटूर, एजेंसी। तमिलनाडु के कोयंबटूर में 11वीं के छात्र ने आत्महत्या कर ली। आरोप है कि पीलमेडु इलाके में सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल में पढ़ने वाले इस छात्र को बीफ खाने को लेकर उसके दो सहपाठियों और एक शिक्षक ने परेशान किया था। कोयंबटूर के पीलमेडु के पास अविनाशी रोड पर स्थित श्री के.के. नायडू हायर सेकेंडरी स्कूल के क्लास टीचर विजयकुमार, हेडमास्टर अरुण कुमार और दो छात्रों के खिलाफ पीलमेडु पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने और अन्य अपराधों के आरोप में मामला दर्ज किया है।

मां ने पुलिस को क्या बताया: पुलिस ने मृतक छात्र की पहचान 16 साल के ए. अकिलन के रूप में की है। उसके पिता का नाम

अशोक कुमार और मां का नाम कौशल्या देवी है। कुमार मुन्नार के एक रिसॉर्ट में लॉन्ड्री मैनेजर के तौर पर काम करते हैं, जबकि कौशल्या घरों में काम (घरेलू सहायिका) करती हैं। बुधवार को दोपहर करीब 1 बजे काम से घर लौटने पर कौशल्या ने अपने बेटे को बेडरूम की छत से लटकता हुआ पाया। उन्होंने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए ईएसआई सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया।

टीचर ने पूछा था बीफ खाने को लेकर सवाल: पुलिस को दी गई अपनी शिकायत में कौशल्या ने बताया कि कुछ महीने पहले उनके बेटे के क्लास टीचर ने अनुसूचित जाति के छात्रों का स्कॉलरशिप स्क्रीम के लिए रजिस्ट्रेशन

किन धाराओं में दर्ज हुआ मामला

पुलिस ने बीएनएस की धाराओं 115(2) और 108, तथा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धारा 3(2)(1) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बुधवार शाम को अकिलन के माता-पिता और रिश्तेदारों ने पुलिस स्टेशन के सामने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने मामले की उचित जांच करने और शिक्षक तथा प्रधानाध्यापक को गिरफ्तार करने की मांग की। पोस्टमार्टम न हो पाने की वजह से गुरुवार रात तक शव परिवार को नहीं सौंपा गया। पुलिस उपायुक्त थंगादुरई ने बताया कि पुलिस आयुक्त स्तर पर मामले की जांच चल रही है। बाल कल्याण समिति भी इस मामले की जांच कर रही है।

ट्रंप से छिटके अमेरिकी युवा: 84% नाखुश, 70 फीसदी का झुकाव डेमोक्रेट्स की ओर, मिडटर्म चुनाव से पहले बढ़ी चुनौती

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के युवा मतदाताओं का झुकाव राष्ट्रपति डॉनाल्ड ट्रंप और उनकी रिपब्लिकन पार्टी से छिटककर डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर बढ़ रहा है। न्यूयॉर्क टाइम्स और सिएना यूनिवर्सिटी के ताजा सर्वे के मुताबिक, 18 से 29 साल के 70% मतदाता खुद को डेमोक्रेट मानते हैं या इस पार्टी की ओर झुकाव रखते हैं। 2024 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले यह आंकड़ा 55% था। यानी दो साल में 15% अंक की वृद्धि दर्ज की गई है। सर्वे के मुताबिक, अब अपने क्षेत्र में कांग्रेस के चुनाव के लिए युवा मतदाता डेमोक्रेटिक उम्मीदवार को रिपब्लिकन उम्मीदवार के मुकाबले 44% अंक की बढ़त दे रहे हैं। दो साल पहले अंतर सिर्फ 10 था। ट्रंप के कामकाज को लेकर युवाओं में नाराजगी भी सबसे ज्यादा है। केवल 16% युवा उनके राष्ट्रपति के रूप में कामकाज से संतुष्ट हैं, जबकि 79% ने असहमति जताई। ऐसा नहीं है कि युवाओं के दूर होने का संकेत किसी एक सर्वे से मिल



रहा हो। तमाम अन्य सर्वे भी यही बताते हैं कि 2024 में ट्रंप को वोट देने वाले युवाओं में समर्थन में सबसे तेज गिरावट आई है। सीएनएन के मुताबिक डेमोक्रेट्स को युवाओं के बीच 31 अंकों की बढ़त हासिल है। येल यूथ पोल के मुताबिक, 68% युवा (18 से 22 वर्ष) ट्रंप की नीतियों से असंतुष्ट हैं। वहीं, 72% युवा (23 से 29 वर्ष) को उनका कामकाज नहीं भा रहा। युवाओं की नाराजगी की सबसे बड़ी वजह

अर्थव्यवस्था है। न्यूयॉर्क टाइम्स और सिएना यूनिवर्सिटी के सर्वे में 94% युवाओं ने आर्थिक हालात को खराब या औसत से कमजोर बताया। 86% ने अर्थव्यवस्था संभालने के ट्रंप के तरीके को नापसंद किया।

समर्थक भी छोड़ रहे साथ: दो साल पहले राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप को वोट देने वालों में से लगभग दो-तिहाई अब भी समर्थन करते हैं, लेकिन उनका समर्थन शुरूआत के 95% से गिरा है। रिपब्लिकनों के बीच ट्रंप की अप्रूवल रेटिंग 88% से घटकर 74% रह गई है। **यदि ट्रंप/रिपब्लिकन मिड-टर्म हारे तो क्या होगा:** अगर डेमोक्रेट ने संसद में बहुमत हासिल कर ली तो ट्रंप को अंतिम दो साल के कार्यकाल में काफी हद तक रक्षात्मक रख अपनाना पड़ेगा। बजट, जांच, नियुक्तियों की मंजूरी और कानूनी कार्रवायों का नियंत्रण डेमोक्रेट्स के पास चला जाएगा। डेमोक्रेट-नियंत्रित सदन ट्रंप के बड़े कानूनों और बजट प्रस्तावों को रोक सकेगा। सदन की

समितियां ट्रंप प्रशासन की नीतियों, खर्चों और निर्णयों की जांच शुरू कर सकती हैं। लेकिन एकदम ट्रंप एकदम बेबस नहीं हो जाएंगे। वह राष्ट्रपति के तौर पर वोटों का उपयोग कर सकेंगे और न्यायिक/प्रशासनिक नियुक्तियां कर सकेंगे। 2028 की राजनीति प्रभावित होगी...हार से रिपब्लिकन पार्टी में ट्रंप-विरोधी या उत्तराधिकारी-खोजने की बहस तेज हो सकती है। जबकि डेमोक्रेट्स को नीतिगत विकल्प पेश करने का मौका मिलेगा। मतदाताओं का रुख अब ट्रंप की पार्टी के पक्ष में नहीं फैलिफोर्निया के टूक ड्राइवर 27 वर्षीय इसाक जुआरेज ने 2024 में ट्रंप को वोट दिया था। उन्हें उम्मीद थी कि ट्रंप की नीतियों से अर्थव्यवस्था सुधरेगी। लेकिन अब पेट्रोल की महंगी कीमतों और आब्रजन अधिकारियों की कार्रवाई से जुड़े अनुभवों ने उनका नजरिया बदल दिया है। उन्होंने कहा कि अब उन्हें समझ नहीं आता कि उन्होंने ट्रंप को वोट क्यों दिया था।

जो अपने अल्पसंख्यकों को सुरक्षा नहीं दे सकता, वो भारत को लेकर न दे भारत ने पाकिस्तान को लताड़ा

अल्बानी, एजेंसी। धार्मिक अल्पसंख्यकों संग बताव को लेकर भारत ने संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान की तीखी आलोचना की। भारत ने आरोप लगाए कि पाकिस्तान अपने देश के कमजोर समुदायों की रक्षा करने में नाकाम रहा है और उल्टा भारत को धार्मिक आजादी, अल्पसंख्यकों के साथ बर्ताव को लेकर भाषण देने की कोशिश कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र में धार्मिक आजाद और दफनाने के अधिकार पर विशेष चर्चा का आयोजन किया गया। इस चर्चा में भारत के स्थायी मिशन की प्रथम सचिव भाविका मंगलानंदन ने कोरोना महामारी के समय धार्मिक भेदभाव और आतंकियों के अंतिम संस्कार के अधिकारियों की वकालत पर सवाल उठाए। मंगलानंदन ने कहा कि रिपोर्ट में महामारी के दौरान वैश्विक दक्षिण के देशों में कथित भेदभाव का मुद्दा उठया गया है, लेकिन विकसित देशों में हुई ऐसी घटनाओं को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया गया है। भारत की प्रतिनिधि ने ईरानी तकलीफ के राजनीतिकरण को लेकर चेतावनी कि धार्मिक आजादी के कथित उल्लंघन को बिना किसी भेदभाव के देखना चाहिए, न कि राजनीतिक मकसद से घटनाओं को चुनकर दिखाना चाहिए।

पाकिस्तान पर लगाए गंभीर आरोप: आतंकवादियों के अंतिम संस्कार के अधिकार संबंधी रिपोर्ट पर सवाल उठाते हुए भारतीय राजनयिक ने कहा कि अपराधियों के अधिकार, आतंकी हमलों के शिकार लोगों के अधिकारों पर भारी नहीं पड़ने चाहिए।



यूनन की साख पर भारत का सवाल

पी हरीश बोले- 80 साल पुरानी जंग के भरोसे कब तक चलेगी दुनिया, सुधार क्यों अटका

जिनेवा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की व्यवस्था पर भारत ने सीधा सवाल उठाया है। भारत का कहना है कि 80 साल पहले हुए युद्ध में जीत के आधार पर आज भी कुछ देशों को सुरक्षा परिषद में विशेष अधिकार मिले हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वतनेनी हरीश ने कहा कि पुराने युद्ध की जीत किसी ऐसी सुरक्षा परिषद की वैधता की कमी को पूरा नहीं कर सकती, जिसमें दुनिया का उचित प्रतिनिधित्व नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि सुरक्षा परिषद में सुधार की बातचीत आगे बढ़ने में कुछ देश बाधा डाल रहे हैं।

युद्ध में भारत का योगदान, फिर भी फैसलों में किंतनी जगह: पी. हरीश ने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध में करीब 25 लाख भारतीयों ने हिस्सा लिया था और लगभग 90 हजार भारतीय सैन्य सेवा के दौरान मारे गए थे। उन्होंने बंगाल के भीषण अकाल का जिक्र करते हुए कहा कि औपनिवेशिक युद्ध नीतियों के कारण 40 लाख से अधिक लोगों की जान गई थी। उन्होंने कहा कि कुछ लोग इन तथ्यों को नजरअंदाज करने या दबाने की कोशिश करते हैं। हरीश ने दावा किया कि मौजूदा सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता पर युद्ध के विजेता देशों का एकाधिकार है और इसकी व्यवस्था में उन लोगों की चिंताओं को जगह नहीं मिली, जिन्होंने इसकी कीमत चुकाई।

सुरक्षा परिषद में सुधार की राह क्यों रोक रहे कुछ देश: पी हरीश ने कहा कि 1945 में विजेता देशों ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर में अपने लिए विशेष अधिकार शामिल किए थे। इन अधिकारों के जरिए कुछ देश बदलाव की प्रक्रिया को रोक सकते हैं।

कौन हैं नेविल रॉय सिंघम, क्या भारत से लेकर फ्रांस तक में हो रहे प्रदर्शनों की आग में डाल रहे घी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी टेक करोबारी नेविल रॉय सिंघम एक बार फिर कथित विदेशी प्रभाव और अंतरराष्ट्रीय विरोध प्रदर्शनों से जुड़े नेटवर्क को लेकर चर्चा में हैं। एक अंतरराष्ट्रीय मीडिया की रिपोर्ट में 100 से ज्यादा संगठनों का जिक्र है, जिनमें भारत में हुआ विरोध प्रदर्शन भी शामिल है। ऐसे में आइए जानते हैं कि कौन हैं नेविल रॉय सिंघम अभी चर्चा में क्यों हैं भारत में पहले कब आया था सिंघम का नाम इस बीच भाजपा क्या आरोप लगा रही है।

नेविल रॉय सिंघम आखिर कौन हैं: नेविल रॉय सिंघम का जन्म 1954 में हुआ था। वह अमेरिका में जन्मे टेक करोबारी हैं। उनके पिता आर्चीबाल्ड सिंघम कन्स्युनिस्ट विचारधारा से जुड़े प्रोफेसर थे। उन्होंने न्यूयॉर्क में राजनीति विज्ञान पढ़ाया था। सिंघम सॉफ्टवेयर कंसल्टिंग कंपनी थॉटवर्क्स के संस्थापक और पूर्व चेयरमैन हैं। यह कंपनी दूसरी कंपनियों को सॉफ्टवेयर और तकनीक से

जुड़ी सेवाएं देती है। उन्होंने 2001 तक चीन की कंपनी हुआवेई के लिए रणनीतिक तकनीकी सलाहकार के रूप में काम किया था। 2017 में सिंघम ने थॉटवर्क्स को निजी इक्विटी फर्म एपेक्स सॉल्यूशंस को बेच दिया था। इस सौदे की कीमत 785 मिलियन डॉलर से अधिक बताई गई थी। कंपनी बेचने के बाद उनका नाम कई राजनीतिक, सामाजिक, शोध और मीडिया संगठनों को आर्थिक मदद देने के संदर्भ में सामने आया। सिंघम फिलहाल चीन के शंघाई में रहते हैं।

अभी क्यों चर्चा में हैं नेविल रॉय

सिंह: फॉक्स न्यूज डिजिटल की पत्रकार असरा क्यू. नोमानी की रिपोर्ट ने अमेरिका समेत 13 देशों में 101 संगठनों का जिक्र किया गया है। 20 अक्टूबर को प्रकाशित इस रिपोर्ट में इन संगठनों पर यूरोप और अन्य देशों में प्रदर्शनों के आयोजन, समन्वय या प्रचार में भूमिका निभाने का आरोप लगाया गया है। भारत का नाम भी रिपोर्ट में शामिल है। आसान शब्दों में कहें तो यूरोप और भारत में हो रहे प्रदर्शनों में इन संगठनों की फंडिंग होने का शक जताया गया है। जिन संगठनों पर ये आरोप लगे हैं उनमें कई संगठन ऐसे हैं जिनका संबंध नेविल रॉय सिंघम से है।

इस खुलासे के बाद भाजपा ने कांग्रेस पर क्या आरोप लगाए: भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने दावा किया कि रहस्य गांधी और सोनिया गांधी ने 10 अप्रैल 2025 को 10 जनपथ में सिंघम से जुड़े संगठन प्रोग्रेसिव इंटरनेशनल के प्रतिनिधियों से मुलाकात

संक्षिप्त समाचार

अदालत में पेश होने से पहले अपराधी ने डॉक्टर को मारा थपड़, पुलिस भी थी मौजूद

चिकित्सक संघ नाराज

वर्धा, एजेंसी। महाराष्ट्र के वर्धा जिले के एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पुलिस की मौजूदगी में ही एक अपराधी ने महिला चिकित्सा अधिकारी को थपड़ मार दिया। इस घटना से चिकित्सक समुदाय में भारी रोष फैल गया है। घटना आर्वी तालुका के तलेगाव श्यामजी पंत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में हुई। वहां डॉ. श्रद्धा धुमरे चिकित्सा अधिकारी के रूप में कार्यरत थीं। पुलिस अदालत में पेश करने से पहले आरोपी की मेडिकल जांच के लिए उसे लेकर आई थी। जांच पूरी होने और आरोपी से हस्ताक्षर कराने के बाद उसने अचानक डॉक्टर के गाल पर थपड़ मार दिया। आरोपी कादिर अली रज्जाक अली स्थानीय निवासी है और उस पर पहले भी कई मामले दर्ज हैं। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है उपस्थित पुलिसकर्मी हैरान रह गए और उन्होंने आरोपी को पकड़ लिया। लेकिन घटना से वहां मौजूद मरीज और अस्पताल कर्मचारी भी स्तब्ध रह गए।

चिकित्सक संघ का विरोध: सरकारी चिकित्सक संघ ने इस घटना का कड़ा विरोध जताया है। राजपत्रित चिकित्सा अधिकारी संघ के प्रतिनिधियों ने जिला कलेक्टर से मुलाकात कर शिकायत की और निवेदन सौंपा। उन्होंने कहा कि घटना के समय मौजूद पांच पुलिसकर्मियों ने जरूरी सावधानी नहीं बरती, जो कर्तव्य में लापरवाही है। संघ ने मांग की है कि आरोपी पर सख्त मामला दर्ज किया जाए और आरोपी को लाने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई हो। जब तक ऐसा नहीं होता, बाहरी रोगी विभाग (ओपीडी) बंद रखा जाएगा। राज्य स्तरीय संगठन मैमो को भी घटना की जानकारी दी गई है। संघ के डॉ. श्रीधर ताम्हणकर, डॉ. अमोल येळगे और डॉ. स्नेहल राठोड ने स्पष्ट कहा कि महिला चिकित्सा अधिकारी पर हुए ऐसे हमले को बिना रुक बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पंजाब विधानसभा में डीएपी पर हंगामा, विपक्ष के विरोध के बीच स्पीकर बोले-

‘इन्हें सिर्फ खबरें छपवानी हैं’



चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब विधानसभा में डीएपी खाद की उपलब्धता पर चर्चा के दौरान शुक्रवार को सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायकों के बीच शोर-शराबा होता रहा। विधायक राणा इंद्र प्रताप ने किसानों को डीएपी की आपूर्ति और खाद के साथ अन्य उत्पादों की टैरिंग का मुद्दा उठाया तो कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डिया सरकार का पक्ष रखने लगे। इसी दौरान विपक्षी विधायकों की नारेबाजी और सदन में व्यवधान के बीच स्पीकर को बार-बार सदस्यों को अपनी-अपनी सीटों पर बैठने के निर्देश देने पड़े। स्पीकर ने विपक्ष पर टिप्पणी करते हुए कहा कि इन्हें खबरें छपवानी हैं। उन्होंने सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों के विधायकों से सदन की मर्यादा बनाए रखने और मंत्री का जवाब सुनने की अपील की।

7 लाख मीट्रिक टन डीएपी की मांग का सवाल: राणा इंद्र प्रताप ने डीएपी की उपलब्धता का सवाल उठाया। इसके जवाब में कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डिया ने बताया कि वर्ष 2026-27 के लिए पंजाब में सात लाख मीट्रिक टन डीएपी की मांग का अनुमान लगाया गया है। सरकारी और निजी एजेंसियों के माध्यम से अब तक 5.33 लाख मीट्रिक टन डीएपी किसानों को उपलब्ध कराई गई है। मंत्री ने कहा कि सरकार किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री के जवाब के दौरान सदन में शोर-शराबा जारी रहा। स्पीकर ने सदस्यों को टोकते हुए कहा कि पंजाब की खेती और किसानों से जुड़ा मुद्दा उठाया जा रहा है। उन्होंने विपक्षी विधायकों से सवाल-जवाब की प्रक्रिया में व्यवधान नहीं डालने और मंत्री को अपनी बात पूरी करने देने की अपील की। हंगामा बढ़ने पर उन्होंने बार-बार सभी सदस्यों को अपनी-अपनी जगह पर बैठने के लिए कहा।

केंद्र से पत्राचार और कार्रवाई का दिया हवाला: खुड्डिया ने बताया कि डीएपी की आपूर्ति को लेकर केंद्र सरकार के उर्वरक मंत्री को पत्र लिखे गए हैं। मुख्यमंत्री की ओर से भी केंद्र के समक्ष यह मामला उठाया गया है। उन्होंने कहा कि खाद की बिक्री में अनियमितताओं की शिकायतों पर एफआइआर दर्ज की गई हैं और कुछ मामलों में लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई भी हुई है। मंत्री ने विधायकों से कहा कि यदि उनके क्षेत्रों में खाद की उपलब्धता या बिक्री को लेकर कोई शिकायत है तो संबंधित कृषि अधिकारियों को इसकी जानकारी दें, ताकि कार्रवाई की जा सके।

सेमरिया में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का शिविर, हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ

कलेक्टर ने जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण और पात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए निर्देश



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जनसमस्याओं के निराकरण और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से जनपद पंचायत सीधी की ग्राम पंचायत सेमरिया स्थित

सामुदायिक भवन में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों ने योजनाओं की जानकारी दी, लोगों की समस्याएं सुनीं और पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने की कार्यवाही की

शिविर में संबल, पेंशन, स्वामित्व और आवास योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए गए। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और जरूरत के अनुसार चिकित्सकीय परामर्श तथा दवाइयां

उपलब्ध कराईं। एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं और योजनाओं की जानकारी मिलने से ग्रामीणों को शासकीय सुविधाओं का लाभ लेने में सहूलियत हुई कलेक्टर विकास मिश्रा ने शिविर में उपस्थित लोगों की समस्याएं सुनीं उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन की समस्याओं को गंभीरता से लेकर उनका त्वरित, प्रभावी और समयबद्ध निराकरण किया पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने में अनावश्यक देरी न हो उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी अपनी योजनाओं, पात्रता संबंधी प्रावधानों और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी आमजन तक पहुंचाएं ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित न रहे। कलेक्टर ने शिविर में प्राप्त आवेदनों पर नियमानुसार कार्रवाई करने और आवेदकों को उनकी समस्या के निराकरण की स्थिति से अवगत कराने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने कहा कि शिविरों का उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब लोगों को समस्याओं के समाधान के साथ शासकीय सेवाओं का लाभ सहजता से मिले अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि आवेदनों के निराकरण में पारदर्शिता और समयबद्धता बनी रहे।

योजनाओं की जानकारी और हितलाभ वितरण: शिविर में विभागीय अधिकारियों ने अपने-अपने विभाग की योजनाओं, पात्रता और लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में लोगों को बताया संबल, पेंशन, स्वामित्व और आवास योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए गए। अधिकारियों ने ग्रामीणों को बताया कि योजनाओं का लाभ लेने के लिए कहाँ और किस प्रक्रिया से आवेदन करना है इससे लोगों को उपलब्ध सुविधाओं और योजनाओं से जुड़ने के तरीकों की जानकारी मिली। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित जांच में लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जरूरतमंदों को चिकित्सकीय सलाह दी गई और दवाइयां वितरित की गई शिविर में स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ विभिन्न विभागों की योजनाओं और सुविधाओं को उपलब्ध कराने पर जोर रहा कार्यक्रम में समाजसेवी देवकुमार सिंह चौहान, जनपद पंचायत अध्यक्ष धर्मन्द्र सिंह परिहार, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सीत्या आनंद, गोपद बनास की अनुविभागीय अधिकारी प्रिया पाठक और जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी चंदूलाल पनिका उपस्थित रहे। इसके अलावा विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी भी शिविर में शामिल हुए।

सिन्धु विकास समिति ने गीता आहूजा को दी श्रद्धांजलि

समिति कार्यालय में शोकसभा आयोजित कर दो मिनट का मौन रखा

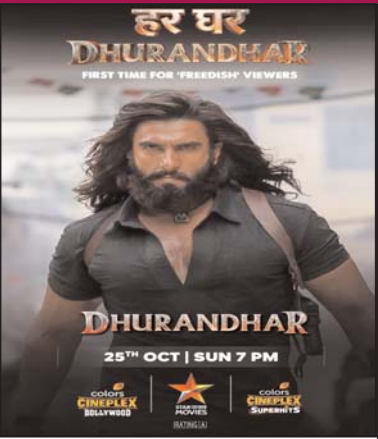
मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। समाजसेवी एवं सिन्धु विकास समिति के सहयोगी भरत आहूजा की चाची और जितेंद्र आहूजा की धर्मपत्नी गीता आहूजा के आकस्मिक निधन से समिति परिवार में शोक की लहर छा गई उनके निधन पर सिन्धु विकास समिति के सदस्यों ने शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की समिति कार्यालय में शोकसभा आयोजित की गई। इसमें उपस्थित सदस्यों ने दिवंगत गीता आहूजा को याद कर दो मिनट का मौन रखा। समिति परिवार ने ईश्वर से प्रार्थना की कि पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें शोकसभा में समिति के संरक्षक श्रीचंद मनवानी, गोपी गेलानी, मनोहर डिगवानी, विनोद गेलानी, ज्ञान खटवानी, इन्द्रलाल आडवाणी, श्रीचंद शीतलानी, घनश्याम मंधरानी, मनीष टेकवानी, संजय वाधवानी, महेश रावलानी, गंगाराम सचदेव, दिलीप सोनी, मनोज सुखदानी, जितेंद्र गावरी, अमित कामरानी, रंजीत सेनानी, गोपीचंद कापड़ी, बसंत खत्री, विजय जगयासी, कमल पुरुस्वानी, अशोक चांदवानी, राजकुमार साधवानी और सुधीर आहूजा उपस्थित रहे। इसके अलावा केशव माखीजा, दीपक वाधवानी, अमित घोषवानी, अनिल मोटवानी और पंकज आहूजा सहित समिति के अन्य सदस्यों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी ने शोक संवत्त आहूजा परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की और इस कठिन समय में परिवार को संबल देने की कामना की समिति सदस्यों ने कहा कि गीता आहूजा का निधन परिवार और परिचितों के लिए अपूरणीय क्षति है शोकसभा का समापन दिवंगत आत्मा की शांति और परिवार के धैर्य के लिए सामूहिक प्रार्थना के साथ हुआ।

टीवी इतिहास का सबसे बड़ा धमाका ! रणवीर सिंह की ‘धुरंधर’ के साथ 10 करोड़ परिवारों के मनोरंजन की तैयारी

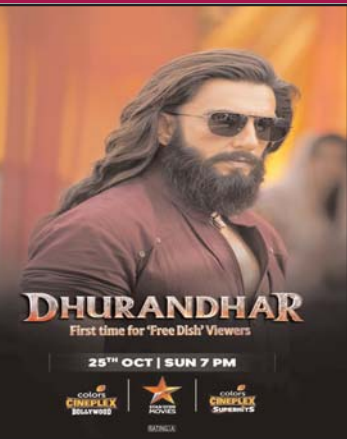
हर घर धुरंधर अभियान के तहत 25 अक्टूबर को फ्रीडिश के तीन प्रमुख चैनलों पर एक साथ प्रसारित होगी ब्लॉकबस्टर स्पाई-थ्रिलर फिल्म

मीडिया ऑडीटर, सतना/चित्रकूट (निप्र)। बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह की चर्चित फिल्म ‘धुरंधर’ अब टेलीविजन के जरिए देशभर के दर्शकों तक पहुंचने जा रही है। फिल्म का पहली बार फ्रीडिश दर्शकों के लिए विशेष प्रीमियर 25 अक्टूबर 2026 को शाम 7 बजे होगा इस फिल्म का प्रसारण एक साथ स्टार उत्सव मूवीज, कलर्स सिनेलेक्स बॉलीवुड और कलर्स सिनेलेक्स सुपरहिट्स चैनलों पर किया जाएगा इस मेगा प्रीमियर के माध्यम से फिल्म के 10 करोड़ से अधिक घरों तक पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है।

तीन चैनलों पर एक साथ होगा प्रसारण: हर घर धुरंधर अभियान के तहत फिल्म को देश के कोने-कोने तक पहुंचाने की पहल की गई है इसका उद्देश्य बड़े शहरों के साथ छोटे कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों के दर्शकों तक भी मनोरंजन की पहुंच बढ़ाना है फ्रीडिश



के दर्शक अब घर बैठे इस एक्शन और रोमांच से भरपूर फिल्म का आनंद ले सकेंगे तीन प्रमुख मनोरंजन चैनलों पर एक साथ प्रसारण होने से फिल्म को व्यापक दर्शक वर्ग मिलने



की उम्मीद है।

बड़े सितारों से सजी है धुरंधर: जियो स्टूडियोज और बी62 स्टूडियोज के बैनर तले बनी फिल्म ‘धुरंधर’ में रणवीर सिंह मुख्य

भूमिका में हैं। उनके साथ अक्षय खन्ना, संजय दत्त, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल, सागर अर्जुन और रमेश बेदी भी अहम भूमिकाओं में नजर आते हैं फिल्म की कहानी देश के लिए पढ़े के पीछे रहकर काम करने वाले गुप्तमान नायकों की दुनिया से जुड़ी है इसमें जासूसी, रोमांच, दमदार एक्शन और देश से जुड़े संवेदनशील पहलुओं को प्रमुखता दी गई है।

एक्शन और संगीत ने बटेरी चर्चा: आदित्य धर के निर्देशन में बनी इस फिल्म को इसके एक्शन दृश्यों, प्रभावशाली संवादों और कलाकारों के अभिनय के लिए सराहना मिली है फिल्म के संगीतकार शाश्वत सचदेव के संगीत और गानों ने भी दर्शकों के बीच लोकप्रियता हासिल की है फिल्म की चर्चा और लोकप्रियता को देखते हुए इसके टेलीविजन प्रीमियर को लेकर दर्शकों में

उत्सुकता रहने की उम्मीद है।

देशभर के परिवारों तक पहुंचेगा मनोरंजन: फिल्म के प्रीमियर को लेकर जियो हॉटस्टार के प्रवक्ता ने कहा कि धुरंधर केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि पॉप कल्चर का हिस्सा बन चुकी है। हर घर धुरंधर अभियान के माध्यम से इस ब्लॉकबस्टर फिल्म को देश के अधिक से अधिक घरों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है उन्होंने कहा कि 25 अक्टूबर को शाम 7 बजे तीन चैनलों पर फिल्म का प्रसारण होगा जिससे देशभर के दर्शक एक साथ इसका आनंद ले सकेंगे। इस पहल से उन परिवारों को भी लोकप्रिय फिल्म देखने का अवसर मिलेगा जो फ्रीडिश के माध्यम से टेलीविजन देखते हैं। फिल्म के 10 करोड़ से अधिक घरों तक पहुंचने की संभावित उपलब्धि इसे बड़े स्तर का टेलीविजन प्रीमियर बना सकती है।

बस का इंतजार कर रहे इंजीनियरिंग छात्र की अचानक मौत



मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। बस स्टैंड पर गांव जाने के लिए बस का इंतजार कर रहे 18 वर्षीय इंजीनियरिंग छात्र शुभमराज कोल की गुस्सा शाम अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई वह अपने पिता शेषमणि कोल के साथ अस्पताल से इलाज करवाकर गांव लौट रहा था शुभमराज जयसिंहनगर क्षेत्र के मीठी गांव का निवासी था और भोपाल में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा था परिजनों के अनुसार वह पिछले करीब दो हफ्तों से बीमार था तबीयत में सुधार नहीं होने पर उसके पिता उसे भोपाल से लेकर

शहडोल आए थे। पिता शेषमणि कोल ने बताया कि गुस्सा दोपहर वे बेटे को ईश्वर चौक स्थित एक निजी अस्पताल ले गए थे वहां डॉक्टरों ने फेफड़ों में गंभीर समस्या बताई जांच के लिए एक्स-रे करवाया गया और शुभमराज को तीन इंजेक्शन लगाने के बाद दवाइयां देकर अस्पताल से छुट्टी दे दी गई इसके बाद पिता-पुत्र गांव जाने के लिए शहडोल बस स्टैंड पहुंचे दोनों बस का इंतजार कर रहे थे तभी शुभमराज की तबीयत अचानक बिगड़ गई कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई घटना के बाद परिवार में शोक छा गया।

लड़ते-लड़ते शहीद हो गई विमला, मैं भी शहीद हो जाऊंगा

रीवा में जल सत्याग्रह के दौरान महिला की मौत के बाद पति का बयान! उमंग सिंघार ने सरकार से ग्रामीणों की बात सुनने की मांग की



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के रोझोही में प्रस्तावित परमाणु बिजली परियोजना के विरोध में जल सत्याग्रह कर रही विमला कोल की मौत के बाद उनके पति जमुना कोल ने श्वाुक बयान दिया उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी लड़ते-लड़ते शहीद हो गई और अब वह भी इस लड़ाई में शहीद हो जाएंगे। विमला कोल की मौत के मामले में शुक्रवार को नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने

प्रदेश सरकार और प्रशासन पर निशाना साधा उन्होंने कहा कि ग्रामीण अपनी जमीन और भविष्य को लेकर चिंतित हैं सरकार और प्रशासन को उनकी चिंताओं तथा मांगों को गंभीरता से सुनना चाहिए।

ग्रामीणों की आवाज सुनने की मांग: उमंग सिंघार ने विमला कोल की मौत के बाद सरकार और प्रशासन की संवेदनशीलता पर सवाल उठाए उन्होंने कहा कि ग्रामीणों के विरोध को नजरअंदाज

करने के बजाय उनसे बातचीत की जानी चाहिए उनके अनुसार प्रभावित लोगों की बात सुने बिना आगे बढ़ने से उनकी चिंता और असंतोष बढ़ सकता है सिंघार ने कहा कि ग्रामीणों की जमीन और भविष्य से जुड़े सवालों पर सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए उन्होंने प्रशासन से भी लोगों की मांगों और आशंकाओं को सुनने की अपील की।

जीतू पटवारी ने भी उठाए सवाल: इस मामले में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने फेसबुक पोस्ट के जरिए प्रतिक्रिया दी उन्होंने सवाल किया कि आदिवासियों को जल, जंगल और जमीन के लिए कब तक अपनी जान गंवानी पड़ेगी रोझोही में प्रस्तावित परमाणु बिजली परियोजना को लेकर ग्रामीणों का विरोध और विमला कोल की मौत के बाद यह मामला राजनीतिक रूप से भी चर्चा में है कांग्रेस नेताओं ने घटना के संदर्भ में आदिवासी समुदाय की चिंताओं और विरोध को गंभीरता से लेने की मांग की है।

कलेक्टर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेमरिया का किया औचक निरीक्षण

चिकित्सकों की समय पर उपस्थिति, दवाओं की उपलब्धता और मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा ने शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेमरिया का औचक निरीक्षण कर वहां उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं और मरीजों को

दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया उन्होंने चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा मरीजों को बिना अनावश्यक इंतजार के उपचार उपलब्ध कराने

के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं रहे, ताकि मरीजों को उपचार के लिए इंतजार न करना पड़े। औपीडी में आने वाले मरीजों की

पटेल उपस्थित रहे कलेक्टर ने औपीडी, दवा वितरण केंद्र, प्रसव कक्ष, पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी), नेत्र औपीडी कक्ष, नर्सिंग कक्ष, चिकित्सक ड्यूटी रूम, वैकसीन कक्ष और भर्ती मरीजों के वार्ड का निरीक्षण किया उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं की जानकारी लेकर संबंधित अधिकारियों से सेवाओं के संचालन और उपलब्ध संसाधनों के बारे में पूछा।

औपीडी और दवा वितरण व्यवस्था पर जोर: कलेक्टर ने निर्देश दिए कि चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टाफ निर्धारित समय पर अस्पताल में उपस्थित रहें, ताकि मरीजों को उपचार के लिए इंतजार न करना पड़े। औपीडी में आने वाले मरीजों की

समय पर जांच और उपचार किया जाए उन्होंने अस्पताल में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता बनाए रखने और दवा वितरण व्यवस्था की नियमित निगरानी करने को कहा उन्होंने कहा कि मरीजों को निर्धारित उपचार के लिए दवाओं के अभाव में अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए अस्पताल प्रबंधन दवाओं के स्टॉक और वितरण पर ध्यान दे तथा जरूरत के अनुसार उपलब्धता सुनिश्चित करें।

प्रसव कक्ष और एनआरसी की व्यवस्था देखी: प्रसव कक्ष का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने गर्भवती महिलाओं और प्रसूताओं को समय पर आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।



विष्णु दत्त शर्मा, सीधी सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा और सतना सांसद गणेश सिंह की उपस्थिति रहेगी।

सुबह 7 बजे देवेन्द्र नगर से खाना होगी ट्रेन: निर्धारित समय-सारणी के अनुसार ट्रेन संख्या 61629 सुबह 7 बजे देवेन्द्र नगर से

खाना होगी रास्ते में यह फुलवारी, नागोद, बरेठिया, करही, सतना, कैमा, सकरिया, डिहौता रामवन, बघाई रोड, तुर्की रोड, रीवा, सिलपरा और गोविंदगढ़ होते हुए बघवार पहुंचेगी ट्रेन दोपहर 12.10 बजे बघवार, 12.35 बजे रामपुर नैकिन और 1.15 बजे चुरहट

बुढ़ार वाहन यार्ड चोरी का खुलासा,ट्रेलर और क्रेन की बैटरियों समेत करीब एक लाख रुपये का सामान बरामद



मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। बुढ़ार पुलिस ने वाहन यार्ड में हुई चोरी के मामले का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है गिरफ्तार आरोपियों में एक 17 वर्षीय नाबालिग भी शामिल है पुलिस ने उनके कब्जे से आठ बैटरियां, जैक और अन्य उपकरण समेत करीब एक लाख रुपये का सामान बरामद किया है पुलिस के मुताबिक, सोमवार और मंगलवार

की दरमियानी रात प्रकाश पेटोल पंप के पास स्थित मेकौ कॉर्पोरेशन के वाहन यार्ड में चोरी हुई थी। चोरों ने वहां खड़े आठ ट्रेलर और एक क्रेन से बैटरियां और उपकरण चुरा लिए थे। चोरी गए सामान में कुल 18 बैटरियां, जैक, रिंच-पाना, चैन, बेल्ट, क्रेन का डिस्को और डीजल शामिल था। इसकी कुल कीमत करीब ढाई लाख रुपये बताई गई है मंगलवार को धनपुरी निवासी

अभिलाष कुमार वर्मा की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थाना प्रभारी खेम सिंह पेंद्रो के नेतृत्व में टीम गठित की गई पुलिस ने संदिग्धों से पूछताछ और जांच के बाद चार आरोपियों को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कमल सिंह मरावी (18), मोईन खान (22), अल्लाफ खान (23) और एक नाबालिग के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों से आठ बैटरियां, तीन ‘रेलटो’ (पुलिस के अनुसार), जैक और पेंच-पाना सहित अन्य उपकरण बरामद किए बरामद सामान की कीमत करीब एक लाख रुपये आंकी गई है पुलिस ने नाबालिग को किशोर न्यायालय में पेश किया, जबकि अन्य तीन आरोपियों को बुढ़ार न्यायालय में पेश किया गया मामले में आगे की जांच जारी है।

दाऊद इब्राहिम दशकों से पाकिस्तान में छिपा हुआ है

संयुक्त राष्ट्र अपनी महत्ता और विश्वसनीयता किस तरह खो रहा है, इसका ताजा प्रमाण है उसके मानवाधिकार और आतंकवाद-रोधी मामलों के विशेष प्रतिवेदक बेन साल की रिपोर्ट में यह कहा जाना कि आतंकी सरगना दाऊद इब्राहिम का गिरोह भारत आधारित है। इस पर हैरानी नहीं कि इस कारण उसे भारत की फटकार सुननी पड़ी।

अपनी इस फजीहत के लिए संयुक्त राष्ट्र स्वयं के अतिरिक्त अन्य किसी को दोष नहीं दे

सकता। दाऊद इब्राहिम के बारे में ऐसी भ्रामक और नितांत झूठी जानकारी संयुक्त राष्ट्र के कामकाज के तरीकों पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। समझना कठिन है कि आतंकी सरगना के रूप में दुनिया भर में कुख्यात दाऊद को लेकर संयुक्त राष्ट्र के प्रतिवेदक इस नतीजे पर कैसे पहुंच गए कि वह भारत में सक्रिय है, जबकि पिछले कई दशकों से वह पाकिस्तान में रह रहा है।

भारत समय-समय पर इसके प्रमाण भी उपलब्ध कराता रहा है। इसके अतिरिक्त

अमेरिका ने 2023 में दाऊद को वैश्विक आतंकी नामित किया था और उस पर इनाम भी रखा था। अमेरिका का यह भी निष्कर्ष था कि वह कराची में छिपा है। यही भारत कहता रहा है।

दाऊद इब्राहिम को भारत आधारित गिरोह बनाने वाली रिपोर्ट आस्ट्रेलिया के प्रोफेसर बेन साल के नेतृत्व में तैयार हुई है। संभव है कि इसे तैयार करने में उन लोगों का भी

हाथ हो, जो भारत के प्रति दुराग्रह से प्रसन्न हैं। वैसे खुद बेन साल की विश्वसनीयता भी संदिग्ध है।

एक रिपोर्ट के अनुसार उनके कार्यालय को चीन से भारी-भरकम राशि मिली थी। इसके बाद बेन साल ने चीन

में उड़गर मुसलमानों के अत्याचारों पर बयान जारी करने से इन्कार कर दिया था। संयुक्त राष्ट्र के आतंकवाद-रोधी मामलों को देखने वालों की

ओर से दाऊद के बारे में शरारतपूर्ण रिपोर्ट तैयार किए जाने से यही लगता है कि आतंक के मामले में उन्होंने कामचलाऊ रवैया अपना रखा है। शायद इसका कारण संयुक्त राष्ट्र की विभिन्न एजेंसियों में पाकिस्तान जैसे कई ऐसे देशों का सक्रिय होना भी है, जो खुले-छिपे रूप से आतंक की पैरवी करते हैं और यह किसी से छिपा नहीं कि चीन किस तरह उसे भारत के खिलाफ अपना मोहरा बनाए हुए है। यह अच्छा हुआ कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र को याद दिलाया कि दाऊद उसी

पाकिस्तान में रहता है, जहां ओसामा बिन लादेन पाया गया था। यह चिंताजनक है कि अभी हाल में संयुक्त राष्ट्र की ओर से भारत में हो रहे प्रदर्शनों से निपटने के तरीकों पर भी चिंता जताई गई थी। यह अनावश्यक चिंता थी और इस पर भी उसे भारत के प्रतिरोध का सामना करना पड़ा था। इस प्रतिरोध से अमेरिकी विदेश मंत्री ने भी सहमति जताई थी। यदि संयुक्त राष्ट्र अपनी प्रतिष्ठ बचाना चाहता है तो उसे अपना रवैया शरारता ही होगा।

(त्यंग्यौं) चप्पलमार कल्चर के खिलाफ ‘रेड हीट’ का अहिंसक स्रो !

विनय के पाठक

दिल्ली के पीतमपुरा में इस बार दशहरे का त्योहार एकदम ‘हाई-टेक’ और ‘लो-हाइजीन’ के पन्थुजन जैसा था। मैदान में हमेशा की तरह रावण, कूंभकर्ण और मेघनाद के पुतले तो बेचारे सदियों पुरानी परंपरा निभा रहे थे लेकिन इस बार सबका ध्यान उनके बगल में खड़े एक 30 फीट ऊंचे चमचमाते ‘महा-कॉकरोच’ के पुतले ने खींच रखा था। जनता हैरान-परेशान थी कि प्रभु श्रीराम के तर्कश में क्या अब ‘हिट’ और ‘बेयंग्यौं’ के बाण भी आ गए हैं? पुतला दहन कमेटी के अध्यक्ष ने मंच से धांसू भाषण देंका, ‘देवियों और सज्जनों ! रावण तो साल में एक ही बार आता है और दशहरे के बाद चला जाता है, पर यह कॉकरोच तो रोज हमारे सिस्टम की रसोई में घुसकर मलाई चाटता है। असल में, रावण की सेना का जो महा-भ्रष्ट ‘गंदसुर’ था, वही आज कलयुग में कॉकरोच बनकर पैदा हुआ है। इसलिए इसका फुंकना बहुत जरूरी है!’ जैसे ही गंदसुर यानी तिलचट्टासुर के पुतले की पूंछ में आग लगी और वो ‘पटाक-पटाक’ कर फटने लगा, जनता ने ऐसे तालियां पीटी जैसे सबकी रकी हुई फॉस्फिडी सीधे बैक खाते में आ गई हो।

अब जरा इस कहानी के दूसरे पहलू पर आइए। इधर पीतमपुरा के पार्क में तिलचट्टासुर का पुतला स्वाहा हो रहा था, उधर देश के सबसे वीआईपी और बढबुदार् पॉलिटिकल सीवर के भीतर फूल-आंन डीजे पार्टी चल रही थी। ‘सुपर कॉकरोच चिपके जी’ अपने चमचों के साथ टीवी पर यह लाइव तमाशा देख रहे थे। राजनीति का सबसे पहला और आखिरी नियम यही है- बदनाम हुए तो क्या हुआ, प्राइम टाइम पर नाम तो हुआ ! चिपके जी ने अपनी दोनों छह-इंच लंबी मूछें पर ताव देते हुए ठहाका लगाया, ‘ अरे इसांनों, तुम हमारा पुतला क्या जलाओंगे ! इतिहास गवाह है कि तुम त्रेतायुग में आज तक हर साल रावण को फूंकते आ रहे हो, पर क्या रावण का बाल भी बांका हुआ? वह तो हर साल पहले से बड़ा और ज्यादा बजट वाला पुतला लेकर री-लॉन्च हो जाता है। हम तो फिर भी कॉकरोच हैं बॉस ! दुनिया पर चाहे परमाणु हमला हो जाए या मंदी आ जाए, इसांनों की नस्ल भले खत्म हो जाए लेकिन हमारी ‘कॉकरोच बचाओ पार्टी’ की चिरकुट पॉलिटिक्स और उसकी गंदगी हमेशा अमर रहेगी। चिपके जी का यह ‘मूछतोड़’ आत्मविश्वास देखकर नाले के बाकी छोटे-मोटे झिंगूर और कनखजुरे भी खुशी से अपनी मूछें हिला-हिलाकर भांगड़ा करने लगे।

लेकिन चिपके जी शायद अति-आत्मविश्वास के नशे में यह भूल गए कि इंडियन पॉलिटिक्स में अगर एक तरफ से ‘अल आउट’ का विज्ञापन आता है, तो जनता दूसरी तरफ ‘लक्ष्मण रेखा’ खींचने के लिए चौंक उठा लेती है। कॉकरोच बचाओ पार्टी के इस गढ़ और अपराजेय साम्राज्य को सीधे पटखनी देने के लिए दिल्ली की चमचमाती सड़कों पर एक नई नवेली पार्टी ने हॉर्न बजाते हुए दस्तक दे दी है- ‘रेडहीट जनता पार्टी’। इस पार्टी का इकलौता चुनावी वादा और वन-लाइनर घोषणापत्र है- ‘कॉकरोचों का सर्पुण और वैज्ञानिक तरीके से सफ़ाया !’ वैसे तो हमारे भारतीय समाज में, खासकर मिडिल क्लास घरों में कॉकरोचों से निपटने का एक सदियों पुराना, घरेलू और बेहद लोकप्रिय ‘सर्जिकल स्ट्राइक’ वाला इलाज रहा है- पेर से हवाई चप्पल निकालो, निशाना साधो और दे फटाक ! एक ही शॉट में कॉकरोच की अंतड़ी-गुदड़ी का ऐसा ‘दही-भल्ला’ बनता है कि उसका पूरा पॉलिटिकल करियर एक ही बार में ‘बमफ़्लाट’ हो जाता है। लेकिन ‘रेड हीट जनता पार्टी’ ठहरी थोड़ी पढ़ी-लिखी और स्टैंडर्ड भी है थोड़ा इंटरनेशनल वाला। वे इस देसी चप्पलमार कल्चर के सख्त खिलाफ हैं। रेडहीट जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने आंखों पर चश्मा चढ़ाकर और गंभीर चेहरा बनाकर फ़ेस प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई। उन्होंने कहा, ‘भाइयों और बहनो ! चप्पल से कॉकरोच को बेहदभी से मारना और आमंत्रण, बर्बर और असभ्य कुच है। इससे उत्पन्न ‘तिलचट्टा अधिकारों’ मतलब कॉकरोच राइट्स का सरेआम काल हो जाता है। आखिर वे भी इसी पॉलिटिकर सीवर के वोटर हैं, हमारे भाई-बंधु हैं। हम ऐसा खूनी खेल नहीं खेलेंगे। इसलिए हमारी पार्टी ने एक अहिंसक, डिजिटल और आधुनिक रास्ता निकाला है- लाल रंग का ‘हीट’ स्पे ! आप इन कॉकरोच नेताओं पर गुस्सा मत करिए, उन पर ‘दे फटाक’ करके चप्पल मत चलाइए। बस बहुत ही प्यार और इज्जत से उनके चेहरों पर थोड़ा सा ‘हीट’ छिड़क दीजिए। ‘

जवाबदेह पुलिस व्यवस्था से ही बनेगा सुरक्षित उत्तर प्रदेश

सौरभ वार्ष्णेय

निस्संदेह, किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांति, सुरक्षा और कानून का शासन विकास की बुनियादी शर्तें हैं। लेकिन कानून के राज की वास्तविक ज़रूरतता केवल सख्त कार्रवाई के दावों से नहीं, बल्कि आम नागरिक के मन में सुरक्षा के विश्वास, न्याय की उपलब्धता और प्रशासन की निष्पक्षता से तय होती है।

पुलिस स्मृति दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं है, बल्कि उन वीर पुलिसकर्मियों के सर्वोच्च बलिदान को याद करने का अवसर है, जिन्होंने देश और समाज की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। पुलिस का दायित्व केवल अपराधियों को पकड़ना या कानून का पालन कराना नहीं है, बल्कि संकट के समय नागरिकों की सहायता करना, कमजोर वर्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और समाज में विश्वास का वातावरण तैयार करना भी है। कर्तव्य के प्रति समर्पण, साहस और अनुशासन पुलिस सेवा की पहचान हैं। ऐसे में शहीद पुलिसकर्मियों को सच्ची श्रद्धांजलि तभी सार्थक होगी, जब पुलिसकर्मियों की सुरक्षा, उनके कार्य करने की परिस्थितियों, आधुनिक संसाधनों और पेशेवर प्रशिक्षण को लगातार बेहतर बनाया जाए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2017 से पहले की कानून व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय प्रदेश में माफिया और अराजक तत्वों का प्रभाव था। मथुरा के जवाहर बाग जैसी घटनाएं इस बात की याद दिलाती हैं कि कानून-व्यवस्था की चुनौतियां कितनी गंभीर हो सकती हैं और उनसे

निपटने में पुलिसकर्मियों को किस तरह की परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। वर्तमान सरकार का दावा है कि अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई में राजनीतिक या प्रशासनिक दबाव को बाधा नहीं बनने दिया जा रहा। यदि इस नीति की निष्पक्षता और निरंतरता के साथ लागू किया जाता है, तो इससे कानून के प्रति लोगों का भरोसा मजबूत हो सकता है।

हालाँकि, किसी भी सरकार के लिए यह आवश्यक है कि वह कानून व्यवस्था में सुधार का आकलन केवल अपनी उपलब्धियों के आधार पर न करे, बल्कि स्वतंत्र आंकड़ों, अपराध के बदलते स्वरूप और नागरिकों के अनुभवों को भी महत्व दे। अपराध पर नियंत्रण का अर्थ केवल गिरफ्तारी और संपत्ति जब्त करने की संख्या बढ़ाना नहीं है। वास्तविक उपलब्धि तब मानी जाएगी, जब महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों, व्यापारियों, किसानों और समाज के कमजोर वर्गों को सुरक्षित वातावरण मिले। शिकायत दर्ज कराने के लिए नागरिकों को परेशान न होना पड़े, पीछेठों को समय पर सहायता मिले और अपराध की जांच निष्पक्ष ढंग से पूरी हो। पुलिस की सफ़िरता के साथ-साथ न्यायिक प्रक्रिया की गति और अभियोजन की गुणवत्ता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने पुलिस व्यवस्था को अधिक सक्षम और आधुनिक बनाने के लिए 2.26 लाख से अधिक पुलिसकर्मियों की भर्ती, प्रशिक्षण क्षमता में दस गुना वृद्धि, सात बड़े शहरों में पुलिस आयुक्त प्रणाली लागू करने, प्रत्येक जिले में साइबर थाने स्थापित करने और सभी थानों में महिला सहायता कक्षों की व्यवस्था जैसे कदमों का उल्लेख किया।

इन पहलों का उद्देश्य पुलिस को बदलती सामाजिक और तकनीकी चुनौतियों के अनुरूप तैयार करना है। बहुती आबादी और तेजी से शहरीकरण के बीच उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में पुलिस बल की संख्या, उसकी दक्षता और संसाधनों का विस्तार आवश्यक है। नई नीतियों से पुलिस पर काम का दबाव कम करने, गश्त बढ़ाने और नागरिकों तक सेवाएं पहुंचाने में मदद मिल सकती है। लेकिन भर्ती के साथ प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान देना होगा। पुलिसकर्मियों को कानून, मानवाधिकार, साइबर अपराध, फॉरेंसिक जांच, डिजिटल साक्ष्य और सामुदायिक पुलिसिंग का व्यावहारिक ज्ञान होना चाहिए। केवल औद्युनिक हथियार और तकनीकी उपकरण उपलब्ध करा देना पर्याप्त नहीं है। पुलिस की कार्यशैली में संवेदनशीलता, धैर्य और पेशेवर व्यवहार भी उतना ही जरूरी है। किसी पीड़ित की शिकायत सुनने से लेकर अपराध की जांच पूरी करने तक हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित होनी चाहिए। पुलिस की प्रतिष्ठा उसके अधिकारों से ही नहीं, बल्कि उन अधिकारों के जिम्मेदार इस्तेमाल से भी बनती है।

आज साइबर अपराध एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। ऑनलाइन ठगों, धनवान की चोरी, डिजिटल भुगतान से संबंधित धोखाधड़ी और सोशल मीडिया के माध्यम से किए जाने वाले अपराधों ने पुलिस के सामने नई जिम्मेदारियां खड़ी कर दी हैं। प्रत्येक जिले में साइबर थानों की स्थापना एक उपयोगी कदम है, लेकिन इन थानों में प्रशिक्षित कर्मचारियों, आधुनिक तकनीकों और त्वरित कार्रवाई की व्यवस्था भी जरूरी है। आम नागरिकों

को साइबर अपराध की शिकायत दर्ज कराने में सरलता मिलनी चाहिए। इसी तरह महिला सहायता कक्षों की स्थापना तभी प्रभावी होगी, जब महिलाओं की शिकायतों को गंभीरता से सुना जाए, उनकी गोपनीयता सुरक्षित रखी जाए और जरूरत पड़ने पर तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जाए। सरकार ने गैंगस्टर अधिनियम के तहत 88,973 अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई और 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक की अवैध संपत्ति जब्त किए जाने का उल्लेख किया है। ये आंकड़े संगठित अपराध और अपराध से अर्जित संपत्ति के विरुद्ध सरकार की कार्रवाई का संकेत देते हैं। अपराध से अर्जित संपत्ति पर कानूनी कार्रवाई संगठित अपराध के आर्थिक आधार को कमजोर करने का महत्वपूर्ण माध्यम हो सकती है। फिर भी ऐसी कार्रवाई में कानून की निर्धारित प्रक्रिया, पर्याप्त साक्ष्य और निष्पक्ष जांच का पालन अनिवार्य है। किसी व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई का आधार उसका अपराध होना चाहिए, न कि उसकी राजनीतिक पहचान, सामाजिक स्थिति या किसी अन्य प्रकार का पूर्वाग्रह। कानून की शक्ति तभी विश्वसनीय बनती है, जब उसका प्रयोग सभी के लिए समान हो। यह भी समझना होगा कि पुलिस को स्वतंत्रता देने का अर्थ उसे जवाबदेही से मुक्त करना नहीं है। पुलिस को अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई करने के लिए पर्याप्त अधिकार और प्रशासनिक सहयोग मिलना चाहिए, लेकिन उन अधिकारों का उपयोग संधिधान और कानून की सीमाओं के भीतर होना चाहिए। अवैध हिरासत, हिरासत में हिंसा, झुटे मुकदमे या निर्दोष नागरिकों के उपीड़न जैसी किसी भी शिकायत की निष्पक्ष जांच

होनी चाहिए। मजबूत पुलिस व्यवस्था वही है, जिसमें अपराधी कानून से भयभीत हो, लेकिन निदोष नागरिक पुलिस से भयभीत न हो। अधिकार और जवाबदेही का यही संतुलन लोकतांत्रिक शासन की पहचान है। उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था का सुधार केवल पुलिस विभाग की जिम्मेदारी नहीं है। इसके लिए न्यायालयों में मामलों के शीघ्र निस्तारण, अभियोजन व्यवस्था को मजबूत करने, जेल सुधार, स्थानीय प्रशासन की सक्रियता और समाज की भागीदारी की भी आवश्यकता है। बेरोजगारी, नशाखोरी, सामाजिक तनाव और स्थानीय विवादों जैसी समस्याओं के समाधान के लिए भी समन्वित प्रयास किए जाने चाहिए। अपराध होने के बाद कार्रवाई जितनी आवश्यक है, अपराध को पनपने से रोकने के लिए सामाजिक और प्रशासनिक स्तर पर काम करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

पुलिस स्मृति दिवस हमें यह याद दिलाता है कि कानून व्यवस्था केवल सत्ता की प्रतिष्ठ का प्रश्न नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन, स्वतंत्रता और सम्मान से जुड़ा विषय है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कानून से ऊपर किसी को न मानने का संदेश तभी पूरी तरह सार्थक होगा, जब उसका प्रभाव प्रदेश के हर जिले, हर कस्बे और हर गांव में दिखाई दे। आम नागरिक बिना भय अपनी बात कह सके, पीड़ित को न्याय मिले, महिलाओं को सुरक्षा का भरोसा हो और अपराधों किसी भी प्रभाव या रसूख के सहारे कानून से बच न सके। नए उत्तर प्रदेश की पहचान केवल सख्त पुलिस कार्रवाई या सत्कारी आंकड़ों से नहीं, बल्कि न्यायपूर्ण, सुरक्षित और विश्वासपूर्ण समाज से बनगी।

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ आज विकास, आधुनिकता और तकनीकी प्रगति के नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है,लेकिन इसी विकास की कीमततहमारा ग्रह बेदर तापमान, भीषण गर्मी,अनियमित वर्षा,बाढ़, सूखे और चरम मौसमी घटनाओं के रूप में चुका रहा है।वैश्विक मंचों पर जलवायु परिवर्तन को लेकर चिंताएं व्यक्त की जा रही हैं, अंतरराष्ट्रीय समझौते किए जा रहे हैं और कार्बन उत्सर्जन घटाने के संकल्प दोहराए जा रहे हैं, लेकिन इन प्रयासों की रफ्तार जलवायु संकटकी गंभीरता के अनुरूप नहीं है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि इसी चिंताजनक स्थिति के बीच संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) ने बुधवार दिनांक 21 अक्टूबर 2026 को अपनी नई इमिशनयंस गैप रिपोर्ट 2026: द पॉइंट ऑफ़ रिटर्न जारी की है।रिपोर्ट का संदेश स्पष्ट है दुनियाँ के सामने अब केवल ग्लोबल वार्मिंग को रोकने की चुनौती नहीं,बल्कि तापमान में होने वाली संभावित वृद्धि को सीमित करने और भविष्य में उसे फिर से सुरक्षित स्तर तक लाने की कठिन परीक्षा भी है।रिपोर्ट के अनुसार,औद्योगिक क्रांति से पहले के स्तर की तुलना में वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का लक्ष्य बिना या बहुत सीमित सीमा तक तापमान बढ़ने की स्थिति में हासिल करना अब संभव नहीं रह गया है। हालाँकि इसका अर्थ यह नहीं कि मानवता के पास कुछ करने का अवसर समाप्त हो गया है।अब सबसे बड़ी जरूरत तापमान में होने वाली अतिरिक्त वृद्धि को न्यूनतम रखने, उसके दुष्प्रभावों को कम करने और इस सदी के अंत तक तापमान को दोबारा 1.5 डिग्री सेल्सियस या उससे नीचे लाने की दिशा में ठोस कार्रवाई करने की है।

साथियों बात अगर हम 1.5 डिग्री का लक्ष्य क्यों बना दुनियाँ के लिए सबसे बड़ी चिंता? को समझनेकी करें तो अब पेरिस जलवायु समझौते के तहत दुनियाँ के देशों ने वैश्विक तापमान वृद्धि को औद्योगिक क्रांति से पहले के स्तर की तुलना में 2 डिग्री सेल्सियस से काफी नीचे रखने और इसे 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के प्रयास करने का संकल्प लिया था। लेकिन वर्षों से जारी अपर्याप्त जलवायु कार्रवाई ने परिस्थितियों को बेहद गंभीर बना दिया है। यूएनईपी की 2026 की रिपोर्ट बताती है कि 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा को बिना या बहुत सीमित ओवरशूट के भीतर बनाए रखने की संभावना अब समाप्त हो चुकी है। इसका मतलब है कि आने वाले दशकों में तापमान इस सीमा से ऊपर जा सकता है।हालाँकि वैज्ञानिकआकलन यह भी बताता है कि अगर उत्सर्जन में तेजी से और बड़े पैमाने पर कटौती की जाए, तो तापमान में अधिकतम वृद्धि को सीमित करना और इस सदी के अंत तक फिर से 1.5 डिग्री सेल्सियस के स्तर पर लौटने की लगभग 50 प्रतिशत संभावना वाला रास्ता अभी भी मौजूद है।रिपोर्ट के सबसे कम संभावितओवरशूट वाले परिदृश्य में मध्य शताब्दी के आसपास तापमान वृद्धि लगभग 1.7 से 1.8 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रहने की परिकल्पना की गई है। लेकिन इस दिशा में सफलता हासिल करने के लिए दुनिया को केवल घोषणाएं नहीं,बल्कि अभूतपूर्व गति से वास्तविक उत्सर्जन कटौती करनी होगी।

साथियों बात अगर हम मौजूदा नीतियाँ जारी रही तो 2.8 डिग्री तक पहुंच सकता है तापमान को समझने की

करें तो,जलवायु संकट की

गंभीरता समझने के लिए यह जानना जरूरी है कि वर्तमान नीतियों और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के आधार पर दुनिया किस दिशा में बढ़ रही है। उपलब्ध आकलनों के अनुसार, यदि मौजूदा नीतियाँ बिना बड़े बदलाव के जारी रहती हैं, तो इस सदी के अंत तक वैश्विक तापमान वृद्धि लगभग 2.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकती है। यदि देशों की घोषित जलवायु प्रतिबद्धताओं को पूरी तरह लागू कर दिया जाए, तब भी तापमान वृद्धि लगभग 2.6 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। यह स्थिति पेरिस समझौते के लक्ष्यों से काफी दूर है। यहां सबसे बड़ी समस्या संकल्प और

तटीय क्षेत्रों और वहां रहने वाली आबादी के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी करती है। इन प्रभावों का बोझ सभी देशों और समुदायों पर समान रूप से नहीं पड़ता। सीमित संसाधनों वाले देश, कमजोर बुनियादी ढांचे वाले क्षेत्र और जलवायु के प्रति संवेदनशील समुदाय अक्सर अधिक जोखिम झेलते हैं। इसलिए जलवायु कार्रवाई का अर्थ केवल उत्सर्जन घटाना नहीं है, बल्कि बाढ़ नियंत्रण, जल संरक्षण, टिकाऊ कृषि, समय पर चेतावनी प्रणालियों और जलवायु-अनुकूल बुनियादी ढांचे में निवेश करना भी है।

साथियों बात अगर हम भारत की जलवायु प्रतिबद्धताएं लक्ष्य क्या हैं और प्रगति कितनी हुई?इसको



कियाग्यवन के बीच का अंतर है। दुनिया के अनेक देश नवीकरणीय ऊर्जा, कार्बन उत्सर्जन में कमी और नेट-जीरो के लक्ष्य घोषित कर चुके हैं,लेकिन मौजूदा प्रतिबद्धताएं उस स्तर की कटौती सुनिश्चित नहीं करती जिसकी वैज्ञानिक दृष्टि से आवश्यकता है। यही अंतर एमिशन गैप कहलाता है यानी जितना उत्सर्जन वास्तव में होने की आशंका है और जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए जितना उत्सर्जन होना चाहिए, उनके बीच की खाई। इस खाई को पाटने के लिए सरकारों को अत्यंकालिक लक्ष्यों, निवेश, ऊर्जा नीतियों और जवाबदेही को एक साथ मजबूत करना होगा।

साथियों बात अगर हम जलवायु परिवर्तन के बढ़ते दुष्प्रभावों: खरटे की घंटी बज चुकी है, इसको समझने की करें तो,वैश्विक तापमान में वृद्धि केवल पर्यावरण से जुड़ा आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और प्राकृतिक संसाधनों के भविष्य से जुड़ा हुआ प्रश्न है। तापमान बढ़ने से भीषण गर्मी की घटनाओं का जोखिम बढ़ता है और लंबे समय तक चलने वाली गर्म लहरें मानव स्वास्थ्य तथा श्रम उत्पादकता को प्रभावित कर सकती हैं। दूसरी ओर, कुछ क्षेत्रों में अत्यधिक वर्षा, बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बढ़ सकता है, जबकि दूसरे क्षेत्रों में सूखे और जल संकट की स्थिति गंभीर हो सकती है। कृषि उत्पादन पर पड़ने वाले प्रभाव खाद्य पदार्थों की आपूर्ति बहाल और कीमतों को प्रभावित कर सकते हैं। समुद्र के स्तर में वृद्धि

समझने की करें तो,भारत जैसे विशाल और तेजी से विकसित होने देश के लिए जलवायु परिवर्तन से निपटना एक बहुआयामी चुनौती है। एक तरफ देश को करोड़ों लोगों की ऊर्जा आवश्यकताएं पूरी करनी हैं,उद्योगों और परिवहन का विस्तार करना है तथा आर्थिक विकास को गति देनी है; दूसरी तरफ उत्सर्जन घटाने और पर्यावरणीय सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी भी निभानी है। भारत ने वर्ष 2070 तक नेट-जीरोउत्सर्जन का दीर्घकालिक लक्ष्य घोषित किया है। इसके साथ ही भारत की अद्यतन राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित जलवायु प्रतिबद्धताओं (एनडीसी 3.0) में 2035 तक वर्ष 2005 के स्तर की तुलना में सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीब्रता में 47 प्रतिशत कमी और कुल स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता में गैर-जीवाश्म ऊर्जा स्रोतों की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य शामिल है। उत्सर्जन तीब्रता में कमी का अर्थ है कि अर्थव्यवस्था के प्रत्येक इकाई उत्पादन के लिए होने वाला उत्सर्जन घटाय जाए; यह कुल उत्सर्जन में उसी अनुपात की कमी होने के समान नहीं है।भारत सरकार के अनुसार, वर्ष 2022 तक की उत्सर्जन तीब्रता में 2005 की तुलना में 37.38 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई थी। इसके अतिरिक्त, जून 2025 में स्थापित बिजली क्षमता में गैर-जीवाश्म स्रोतों की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से अधिक हो गई थी और 30 जून 2026 तक यह 54.18 प्रतिशत बताई गई। वर्ष 2005 से 2022 के बीच अतिरिक्त कार्बन सिंक का

समझने की करें तो,भारत जैसे विशाल और तेजी से विकसित होने देश के लिए जलवायु परिवर्तन से निपटना एक बहुआयामी चुनौती है। एक तरफ देश को करोड़ों लोगों की ऊर्जा आवश्यकताएं पूरी करनी हैं,उद्योगों और परिवहन का विस्तार करना है तथा आर्थिक विकास को गति देनी है; दूसरी तरफ उत्सर्जन घटाने और पर्यावरणीय सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी भी निभानी है। भारत ने वर्ष 2070 तक नेट-जीरोउत्सर्जन का दीर्घकालिक लक्ष्य घोषित किया है। इसके साथ ही भारत की अद्यतन राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित जलवायु प्रतिबद्धताओं (एनडीसी 3.0) में 2035 तक वर्ष 2005 के स्तर की तुलना में सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीब्रता में 47 प्रतिशत कमी और कुल स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता में गैर-जीवाश्म ऊर्जा स्रोतों की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य शामिल है। उत्सर्जन तीब्रता में कमी का अर्थ है कि अर्थव्यवस्था के प्रत्येक इकाई उत्पादन के लिए होने वाला उत्सर्जन घटाय जाए; यह कुल उत्सर्जन में उसी अनुपात की कमी होने के समान नहीं है।भारत सरकार के अनुसार, वर्ष 2022 तक की उत्सर्जन तीब्रता में 2005 की तुलना में 37.38 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई थी। इसके अतिरिक्त, जून 2025 में स्थापित बिजली क्षमता में गैर-जीवाश्म स्रोतों की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से अधिक हो गई थी और 30 जून 2026 तक यह 54.18 प्रतिशत बताई गई। वर्ष 2005 से 2022 के बीच अतिरिक्त कार्बन सिंक का

बहुउद्देश्यीय केंद्र बेनीपुरा में स्वास्थ्य पोषण सेवा संगम का आयोजन, बच्चों को दिया गया पौष्टिक आहार

रिफार्म उत्सव के तहत पोषण एवं शिशु देखभाल के प्रति किया गया जागरूक

जनजातीय समुदायों में स्वास्थ्य और पोषण को बढ़ावा देने की पहल

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जनजातीय समुदायों के स्वास्थ्य, पोषण एवं समग्र कल्याण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित रिफार्म उत्सव के अंतर्गत जिले में विभिन्न जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं इसी क्रम में 22 अक्टूबर 2026 को बहुउद्देशीय केंद्र बेनीपुरा में स्वास्थ्य पोषण सेवा संगम का आयोजन किया गया कार्यक्रम के दौरान बच्चों को पौष्टिक एवं संतुलित आहार प्रदान करने के साथ ही शिशु पोषण स्वास्थ्य सुरक्षा और उचित देखभाल के महत्व के प्रति जागरूक किया गया रिफार्म उत्सव के तहत स्वास्थ्य एवं पोषण पर विशेष जोर जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अक्टूबर से दिसंबर 2026 तक रिफार्म उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य पिछले एक दशक में जनजातीय



समुदायों के कल्याण के लिए किए गए महत्वपूर्ण नीतिगत एवं संस्थागत सुधारों को प्रदर्शित करने के साथ ही उनका दस्तावेजीकरण करना है। इसी कड़ी में देशभर के पूर्ण एवं संचालित बहुउद्देश्यीय केंद्रों (एमपीसी) में 15 अक्टूबर से 15 नवंबर 2026 तक स्वास्थ्य पोषण सेवा संगम आयोजित किया जा रहा है। इसके माध्यम से जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य

सेवाओं, पोषण संबंधी जागरूकता एवं बाल देखभाल को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है बच्चों को पौष्टिक आहार देकर स्वस्थ जीवन का दिया संदेशबहुउद्देश्यीय केंद्र बेनीपुरा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बच्चों को पौष्टिक एवं संतुलित आहार उपलब्ध कराया गया। साथ ही बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास में उचित



पोषण की भूमिका पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि बच्चों के स्वस्थ विकास के लिए नियमित रूप से संतुलित भोजन, स्वच्छता और उचित देखभाल अत्यंत आवश्यक है। बच्चों के भोजन में आवश्यक पोषक तत्वों की उपलब्धता उनके शारीरिक विकास, रोग प्रतिरोधक क्षमता और बेहतर स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण होती

है विशेषकर शिशु एवं बाल्यावस्था में उचित पोषण मिलने से बच्चों के स्वस्थ भविष्य की मजबूत नींव तैयार होती है इस दौरान पोषण संबंधी जागरूकता बढ़ाने तथा बच्चों की देखभाल के प्रति सकारात्मक व्यवहार को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया गया जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता को मिल रहा बढ़ावा स्वास्थ्य पोषण सेवा संगम के

माध्यम से जनजातीय समुदायों तक स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी आवश्यक जानकारी पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। बहुउद्देश्यीय केंद्रों में आयोजित गतिविधियों के जरिए बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य सुरक्षा, स्वच्छता और समुचित देखभाल के महत्व को रेखांकित किया जा रहा है। इसके साथ ही समुदाय की सहभागिता बढ़ाकर स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है रिफार्म उत्सव के अंतर्गत बहुउद्देश्यीय केंद्र बेनीपुरा में आयोजित स्वास्थ्य पोषण सेवा संगम बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य, पोषण एवं समग्र विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। इस प्रकार के आयोजनों से जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ने के साथ ही स्वस्थ और सशक्त समाज के निर्माण को प्रोत्साहन मिल रहा है।

निजी कार्यक्रम छोड़ केरलारी बस दुर्घटना के घायलों से मिलने पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल



मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। केरलारी बस दुर्घटना में घायल लोगों का हालचाल जानने स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल आज अपने सभी निजी कार्यक्रम स्थगित कर मनेन्द्रगढ़ स्थित सिविल अस्पताल पहुंचे उन्होंने उपचारत मरीजों से भेंट कर उनका कुशलक्षेम जाना और बेहतर उपचार का आश्वासन दिया स्वास्थ्य मंत्री ने चिकित्सकों से प्रत्येक घायल को स्वास्थ्य स्थिति एवं उपचार की जानकारी ली तथा समुचित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार संवेदनशीलता और सेवा भाव के साथ कार्य कर रही है संकट की इस चड़ी में सरकार दुर्घटना से प्रभावित

परिवारों के साथ खड़ी है। घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है उन्होंने चिकित्सकों को निर्देशित किया कि मरीजों के उपचार में किसी प्रकार की कमी न हो और उनकी स्वास्थ्य स्थिति की नियमित निगरानी की जाए उल्लेखनीय है कि कल हुई केरलारी बस दुर्घटना में कई लोगों की मृत्यु हो गई थी और अनेक लोग घायल हुए थे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दुर्घटना पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की थी जायसवाल ने दुर्घटना में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संसार परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की उन्होंने सभी घायलों के शीघ्र एवं पूर्ण रूप से स्वस्थ होने की कामना की।

केलहारी बस दुर्घटना के बाद परिवहन विभाग की सख्त कार्रवाई, 3 यात्री बसें जब्त

यात्री बसों की सघन जांच में नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर 4 बसों पर 11 हजार रुपये का जुर्माना, सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर कठोर कार्रवाई के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के थाना केलहारी क्षेत्र अंतर्गत 22 अक्टूबर 2026 को हुई यात्री बस दुर्घटना को गंभीरता से लेते हुए परिवहन विभाग ने यात्री बसों के विरुद्ध सघन जांच एवं प्रवर्तन अभियान शुरू कर दिया है यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा सड़क दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के उद्देश्य से जिला परिवहन अधिकारी के निर्देश पर आज 23 अक्टूबर को परिवहन उड़नदस्ता दल द्वारा विभिन्न यात्री बसों की सघन जांच की गई जांच के दौरान मोटरयान अधिनियम एवं संबंधित नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर 3 यात्री बसों को जब्त किया गया, वहीं 4 अन्य बसों के विरुद्ध कुल 11 हजार रुपये की चालानी कार्रवाई की गई केलहारी क्षेत्र में हुई बस दुर्घटना के मद्देनजर परिवहन विभाग द्वारा यात्री वाहनों की तकनीकी स्थिति एवं आवश्यक दस्तावेजों की विशेष जांच की जा रही है अभियान के



अंतर्गत बसों के फिटनेस प्रमाण पत्र, परमिट, बीमा, प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र तथा चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस की जांच की जा रही है इसके साथ ही वाहनों की तकनीकी स्थिति ओवरलोडिंग एवं ओवरस्पीडिंग सहित यात्री सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मानकों का परीक्षण किया जा रहा है। जांच के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले बस संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है जिला परिवहन अधिकारी ने

सभी यात्री बस संचालकों को निर्देशित किया है कि वे अपने वाहनों के समस्त आवश्यक दस्तावेज अद्यतन एवं वैध रखें किसी भी प्रकार का समझौता अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित करें उन्होंने स्पष्ट किया है कि बिना वैध फिटनेस, परमिट बीमा एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों के यात्री बसों का संचालन पाए जाने अथवा सुरक्षा नियमों की अनदेखी करने पर संबंधित वाहन संचालकों के विरुद्ध मोटरयान

अधिनियम के प्रावधानों के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता, जांच अभियान रहेगा जारी परिवहन विभाग द्वारा यात्रियों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए यात्री बसों की नियमित जांच एवं निगरानी पर विशेष जोर दिया जा रहा है। विभाग ने बस संचालकों को वाहनों की तकनीकी स्थिति दुरुस्त रखने, निर्धारित क्षमता के अनुरूप यात्रियों को बैठाने तथा यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए हैं जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा यात्री बसों में नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी जिले में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने तथा दुर्घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से परिवहन विभाग का सघन जांच एवं प्रवर्तन अभियान निरंतर जारी रहेगा।

सेवा सेतु पोर्टल से महज एक दिन में मिला आय प्रमाण पत्र, संजय दुबे के चेहरे पर आई मुस्कान

पुत्रों के आय प्रमाण पत्र एक दिन में मिलने से संजय दुबे को मिली बड़ी राहत, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति जताया आभार

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन की जनहितैषी पहल सेवा सेतु पोर्टल आम नागरिकों के लिए त्वरित और सरल शासकीय सेवाओं का सशक्त माध्यम बन रहा है मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में डिजिटल सुशासन की दिशा में किए जा रहे प्रयासों से नागरिकों को आवश्यक दस्तावेज समयबद्ध तरीके से प्राप्त हो रहे हैं इसी कड़ी में जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर की तहसील भरतपुर अंतर्गत सिंगरीली निवासी संजय दुबे के लिए सेवा सेतु पोर्टल रहत और खुशी का माध्यम बना। पोर्टल के माध्यम से आवेदन करने के महज एक दिन के भीतर उनके दोनों पुत्रों के आय प्रमाण पत्र जारी हो गए एक दिन में मिला प्रमाण पत्र चेहरे पर आई खुशी सिंगरीली निवासी संजय दुबे ने अपने पुत्रों ऋषभ दुबे एवं रियांश दुबे के आय प्रमाण पत्र बनवाने के लिए सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से आवेदन किया था उन्हें उम्मीद थी कि प्रमाण पत्र प्राप्त करने में कुछ समय लगेगा, लेकिन आवेदन के महज एक दिन के भीतर ही दोनों पुत्रों के आय प्रमाण पत्र प्राप्त हो गए। इतनी जल्दी आवश्यक दस्तावेज मिलने से संजय दुबे बेहद प्रसन्न हुए। उन्होंने शासन की इस त्वरित और पारदर्शी व्यवस्था की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त



किया डिजिटल सुविधा ने आसान बनाई राह आय प्रमाण पत्र विद्यार्थियों की शिक्षा छात्रवृत्ति तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण दस्तावेज है ऐसे में समय पर प्रमाण पत्र उपलब्ध होना परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित होता है सेवा सेतु पोर्टल ने संजय दुबे के लिए इस प्रक्रिया को सरल और सुविधाजनक बना दिया। ऑनलाइन आवेदन की सुविधा और त्वरित निष्करण से उनका समय बचा तथा आवश्यक दस्तावेज भी बिना अनावश्यक क्लिबंक के प्राप्त हो गए मुख्यमंत्री के प्रति जताया आभार संजय दुबे ने अपने दोनों पुत्रों के आय प्रमाण पत्र महज एक दिन में

मिलने पर खुशी जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया उन्होंने शासन की सेवा सेतु पहल को आम नागरिकों के लिए उपयोगी बताते हुए त्वरित शासकीय सेवाओं की सराहना की संजय दुबे की यह सफलता की कहानी बताती है कि शासन की डिजिटल पहल किस प्रकार आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से शासकीय सेवाएं अधिक सरल, सुलभ और समयबद्ध हो रही हैं इससे नागरिकों को राहत मिलने के साथ ही शासन की जनहितैषी व्यवस्थाओं के प्रति विश्वास भी मजबूत हो रहा है।

बस हादसे में मृत यात्रियों के घर-घर पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि



मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेन्द्रगढ़-केलहारी मार्ग पर पहाड़हंसवाही के पास हुए दर्दनाक बस हादसे में छह यात्रियों की मृत्यु से प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचकर छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने मृतकों के घर-घर जाकर उनके ख्यातिचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर इस अप्रणीय क्षति पर गहरा दुख जताया इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने हादसे में जान गंवाने वाले छह यात्रियों के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सत्वना दी मृतकों में ग्राम रोझी (पर्वई बहरा) के पंचराम (65 वर्ष), मधु एवं रूष्मिमा उर्फ नेहा, ग्राम कछेड़ी (गुडरुपारा) की संगीता, ग्राम मनवारी के सिपाहीलाल तथा केवटी (भातुर्डी) की सुकरो शामिल हैं मंत्री ने सभी मृतकों के परिजनों को 25-25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की इसके अतिरिक्त ग्राम रोझी निवासी सुक्रीता पति अमरसाय को भी 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि दी गई मुख्यमंत्री की ओर से प्रत्येक मृतक परिवार को 5-5 लाख रुपये की सहायता स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की ओर से हादसे में जान

गंवाने वाले प्रत्येक यात्री के परिवार को 5-5 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान किया जाएगा इस सहायता से प्रभावित परिवारों को कठिन समय में आर्थिक संबल मिल सकेगा मृतकों के घर पहुंचकर परिजनों से मुलाकात के दौरान स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दुर्घटना में जान गंवाने वाले यात्रियों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने उन्हें पीड़ित परिवारों के बीच पहुंचकर अपनी संवेदनाएं व्यक्त करने तथा शासन की ओर से हरसंभव सहयोग का संदेश देने के लिए कहा है मंत्री ने शोकाकुल परिजनों को सत्वना देते हुए कहा कि अपनों को खोने का दुख शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता यह परिवारों के लिए अत्यंत कठिन समय है उन्होंने भरोसा दिलाया एवं सहयोग उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने पहाड़हंसवाही के पास बस दुर्घटनास्थल पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने दुर्घटना से प्रभावित क्षेत्र का अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों से हादसे से जुड़ी परिस्थितियों की जानकारी ली।

करैरा में 11 हजार महिलाओं ने निकाली कलश यात्रा

कल से पं. धीरेंद्र शास्त्री सुनाएंगे श्रीराम कथा, दो लाख लोगों के बैठने के लिए बना पंडाल

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के करैरा में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की श्रीराम कथा को लेकर भक्तिमय माहौल बन गया है कथा की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को 11 हजार से अधिक महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर भव्य कलश यात्रा निकाली कृषि उपज मंडी से शुरू हुई यह यात्रा बेंड-बाजे, ढोल-नगाड़ों और डीजे की धुन के बीच तीन किलोमीटर का सफर तय कर बगीचा धाम स्थित श्रीराम राजा सरकार धाम पहुंची। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। आयोजकों के अनुसार 24 से 30 अक्टूबर तक चलने वाली इस कथा में शामिल होने के लिए शुनिवार को पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री हेलीकॉप्टर से करैरा पहुंचेंगे शुक्रवार सुबह करीब 10:30 बजे कृषि उपज मंडी परिसर स्थित भगवान शिव मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद कलश यात्रा की शुरुआत हुई। कथा के मुख्य यजमान पं. राजेश दुबे भोला महाराज श्रीरामचरितमानस ग्रंथ सिर पर रखकर आगे चल रहे थे करीब 25 हजार श्रद्धालुओं और 50 साधु-



संतों की मौजूदगी में निकली इस यात्रा में ऊजैन के संत अद्भुत स्वामी श्रीकृष्ण विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। दोपहर एक बजे कथा स्थल पहुंचकर महिलाओं ने विधि-विधान से कलश स्थापित किए, जिसके

जल जीवन मिशन से तारा बाई के घर पहुंचा नल से जल, पानी की समस्या से मिली राहत

ग्राम तोजा में हर घर नल से जल योजना बनी खुशहाली का आधार, कुएं और हैंडपंप से पानी लाने की परेशानी हुई दूर



मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना ग्रामीण परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है गांवों में घर-घर स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित इस योजना से ग्रामीणों को पानी की समस्या से राहत मिल

रही है इसी कड़ी में जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के विकासखंड भरतपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत तोजा के आश्रित ग्राम तोजा की निवासी तारा बाई के जीवन में भी जल जीवन मिशन खुशहाली और सुविधा का नया आधार बना है। पहले जहां उन्हें पीने के पानी के लिए कुएं और हैंडपंप पर निर्भर रहना

पड़ता था, वहीं अब घर पर ही नल से पेयजल उपलब्ध होने से उनकी दैनिक दिनचर्या उपयोग हो गई है तारा बाई बताती हैं कि पहले परिवार के लिए पानी की व्यवस्था करना एक बड़ी चुनौती थी पीने और घरेलू उपयोग के लिए पानी लाने हेतु कुएं और हैंडपंप तक जाना पड़ता था इससे काफी समय और शारीरिक श्रम लगता था विशेषकर घर के अन्य जरूरी कार्यों के बीच पानी की व्यवस्था करना कठिन होता था। गर्मी के दिनों में यह बचत जल जीवन मिशन के माध्यम से घर तक पानी पहुंचने से तारा बाई के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है पहले पानी की

व्यवस्था में लगने वाला समय अब परिवार की देखभाल और अन्य घरेलू कार्यों में उपयोग हो रहा है पानी लाने में होने वाले शारीरिक श्रम से भी राहत मिली है घर में नल से जल की सुविधा उपलब्ध होने से परिवार के दैनिक कार्य अधिक सुविधाजनक हो गए हैं ग्रामीण क्षेत्रों में पानी लाने की जिम्मेदारी शारीरिक श्रम लगता था विशेषकर घर के अन्य जरूरी कार्यों के बीच पानी की व्यवस्था करना कठिन होता था। गर्मी के दिनों में यह बचत जल जीवन मिशन के माध्यम से घर तक पानी पहुंचने से तारा बाई के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है पहले पानी की

करते हुए कहा यह योजना हमारे गांव और हमारे भविष्य को नई दिशा दे रही है उन्होंने बताया कि घर में पानी लाने में होने वाले अब दैनिक जीवन की कई परेशानियां दूर हो गई हैं और परिवार को बड़ी राहत मिली है जल जीवन मिशन से ग्रामीण जीवन में आ रहा सकारात्मक बदलाव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के माध्यम से संचालित जल जीवन मिशन का उद्देश्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक निर्धारित गुणवत्ता का पर्याप्त एवं सुरक्षित पेयजल पहुंचाना है योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में नल कनेक्शन उपलब्ध कराकर पेयजल सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है इससे ग्रामीण परिवारों को पानी की व्यवस्था में होने वाली कठिनाइयों से राहत मिल रही है ग्राम तोजा की तारा बाई की यह सफलता की कहानी दर्शाती है कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं किस प्रकार आम नागरिकों के जीवन में बदलाव ला रही हैं कभी कुएं और हैं।

संक्षिप्त समाचार

खंडवा में ब्रेक फेल होने से दो ट्रकों की टक्कर

केबिन में फंसा ड्राइवर, ट्रक काटकर निकाला, दोनों पैर टूटे



मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा जिले के छैगांवमाखन में इंदौर-एदलाबाद नेशनल हाईवे पर गुरुवार को ब्रेक फेल होने के बाद एक ट्रक दूसरे ट्रक से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक का केबिन क्षतिग्रस्त हो गया और ड्राइवर उसमें बुरी तरह फंस गया। उसके दोनों पैर केबिन के हिस्सों के बीच फंस गए थे। उसे बाहर निकालने के लिए ट्रक के क्षतिग्रस्त हिस्से को काटना पड़ा। काफी मशक्कत के बाद ड्राइवर को बाहर निकाला गया। घायल को इलाज के लिए खंडवा जिला अस्पताल लाया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। घायल ड्राइवर की पहचान सोमू के रूप में हुई है। वह कर्नाटक का रहने वाला है। जानकारी के मुताबिक, सोमू ट्रक में खोरा गेला भरकर कर्नाटक से पंजाब के अंबाला जा रहा था। इसी दौरान छैगांवमाखन के पास ट्रक के ब्रेक फेल हो गए। इसके बाद उसका ट्रक आगे चल रहे दूसरे ट्रक से टकरा गया। बताया जा रहा है कि दोनों ट्रक एक ही कंपनी के हैं।

केबिन में फंसा रहा ड्राइवर, ट्रक काटना पड़ा

हादसे के बाद ड्राइवर सोमू ट्रक के केबिन में फंस गया। उसके दोनों पैर बुरी तरह फंसने के कारण उसे सामान्य तरीके से बाहर निकालना मुश्किल हो रहा था। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे निकालने की कोशिश की, लेकिन केबिन में फंसे होने के कारण परेशानी आई।

पचमढ़ी में 11 साल की बेटी ने किया सुसाइड

स्कूल नहीं जाने पर मां ने लगाई थी डंठ, शाम को फटे पर लटका मिला शव



मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले के पचमढ़ी में 11 साल की बच्ची की मौत का मामला सामने आया है। गुरुवार शाम करीब 4 बजे उसके दोनों भाई स्कूल से घर लौटे तो दरवाजा अंदर से बंद था। पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़कर अंदर पहुंचे तो बच्ची का शव फंदे पर लटका मिला। पुलिस मामले की जांच कर रही है। स्कूल नहीं जाने पर मां ने डांटा था पचमढ़ी थाना प्रभारी गोपाल घोसले पुलिस स्ट्राफ के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर पंचनामा बनाया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। शुक्रवार सुबह पोस्टमार्टम कराया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में मर्ग कायम किया गया है। मां के डंटने की बात सामने आई है, जिसकी जांच की जा रही है। फिलहाल बच्ची की मौत की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है।

नौगांव में अवैध पटाखों से भरी टैक्सी जवा

13 कार्टून आतिशबाजी सामग्री बरामद, झांसी से लाई जा रही थी खेप, पुलिस ने आरोपी को दबोचा



मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के नौगांव में पुलिस ने अवैध पटाखों का परिवहन करते एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 13 कार्टून आतिशबाजी सामग्री और तीन पहिया टैक्सी जन्त की गई है। जन्त सामग्री और वाहन की कुल कीमत 2 लाख 20 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) और विस्फोटक अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है। पेट्रोलिंग के दौरान पकड़ी टैक्सी पुलिस को रोड पेट्रोलिंग के दौरान पलेरा रोड पर अवैध पटाखों के परिवहन की सूचना मिली थी।

जिलाबदर बदमाश खंडवा में मिला

रामनगर में घर पहुंची पुलिस तो धराया, विवाद मारपीट, झगड़े और आर्म्स एक्ट के 10 केस



खंडवामीडिया ऑडीटर, (निप्र)। खंडवा में जिलाबदर आदेश का उल्लंघन करने के आरोप में कोतवाली थाना पुलिस ने शुभम उर्फ कालिया को गिरफ्तार किया है। आरोपी शुभम उर्फ कालिया, राजेंद्र भट्ट का बेटा है और चौराखदान मल्टी, रामनगर का निवासी है।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी को 28 सितंबर को छह महीने के लिए जिलाबदर किया गया था। इसके बावजूद वह खंडवा स्थित अपने निवास पर मिला। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जिलाबदर आदेश के उल्लंघन के मामले में अपराध दर्ज किया और न्यायालय में पेश किया।

● निगरानी के दौरान घर पर मिला आरोपी

एसपी अगम जैन ने जिले के पुलिस अधिकारियों को आपराधिक गतिविधियों में सलिस लोगों के खिलाफ कार्रवाई और निगरानी के निर्देश दिए हैं। इसी के तहत रामनगर चौकी पुलिस जिलाबदर किए गए लोगों पर नजर रख रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम ने शुभम उर्फ कालिया की जांच की। रामनगर स्थित उसके निवास पर पहुंचने पर वह खंडवा में मिला। पुलिस ने जिलाबदर की अवधि के दौरान जिले में पाए जाने पर उसे गिरफ्तार कर लिया।

● आरोपी के खिलाफ 10 अपराध दर्ज

पुलिस के अनुसार, शुभम उर्फ कालिया के खिलाफ झगड़े, मारपीट और आर्म्स एक्ट सहित कुल 10 अपराध दर्ज हैं। उसके खिलाफ पांच बार प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की जा चुकी है।

● रामनगर चौकी पुलिस ने की कार्रवाई

टीआई प्रवीण आर्य के मुताबिक, गिरफ्तारी की कार्रवाई में रामनगर चौकी प्रभारी राजू पाटिल, उप निरीक्षक वीरेंद्र मंडलोई और प्रधान आरक्षक महेश राठौर की भूमिका रही। पुलिस मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई कर रही है।

सागर में अवैध पटाखों के खिलाफ पुलिस का एक्शन

100 से ज्यादा ठिकानों पर दबिश, 3.69 लाख का स्टॉक जवा, घरों और दुकानों में छिपाकर रखे थे पटाखे



मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर में दीपावली से पहले अवैध पटाखों की बिक्री, भंडारण और परिवहन रोकने के लिए पुलिस ने गुरुवार को अभियान चलाया। पुलिस और प्रशासन की टीमों ने जिले में 100 से अधिक स्थानों पर दबिश दी। इस दौरान 10 स्थानों से 3 लाख 69 हजार 790 रुपए कीमत के पटाखे जब्त किए गए।

10 थाना क्षेत्रों में मिली अवैध पटाखों की खेप: पुलिस के मुताबिक, बंडा, कोतवाली, मकरोनिया, बहेरिया, कैट, मोतीनगर, बीना और खुरई शहर सहित संबंधित थाना क्षेत्रों में कार्रवाई की गई। अवैध पटाखे बेचने और रखने वालों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई के साथ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की जा रही है।

घरों और दुकानों में रखे थे पटाखे: बंडा: पुलिस ने वार्ड नंबर 7 निवासी 25 वर्षीय विनीत पिता कृष्ण कुमार साहू के घर से करीब 35 हजार रुपए के पटाखे जब्त किए। कोतवाली: राकेश केसरवानी के पास से करीब 2,890 रुपए और नमक मंडी निवासी मयंक जैन के पास से 25,650 रुपए के पटाखे जब्त किए गए। मकरोनिया: लालजी केसरवानी के कब्जे से करीब 2 लाख रुपए के पटाखे

जब्त किए गए। बहेरिया: संभव जैन के पास से 12 हजार रुपए और वसीम खान के पास से करीब 11,900 रुपए के पटाखे जब्त किए गए। कैट: दुलारे पटेल के पास से करीब 25 हजार रुपए के पटाखे जब्त किए गए। मोतीनगर: बाला उर्फ बालचंद सिंधी के कब्जे से करीब 50 हजार रुपए के पटाखे मिले। बीना: मयंक पिता पुरुषोत्तम के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 2,350 रुपए के पटाखे जब्त किए गए। खुरई शहर: गणेश विश्वकर्मा के कब्जे से करीब 5 हजार रुपए के पटाखे जब्त किए गए। पुलिस ने बताया कि दीपावली के मद्देनजर अवैध पटाखों के भंडारण और बिक्री पर रोक लगाने के लिए यह अभियान चलाया गया।

कुत्ते ने आंगन में खेल रही बच्ची के सिर-पीठ नोचे

रतलाम में अस्पताल पहुंचने से पहले मौत, दादा-दादी के साथ गांव में रहती थी



एक बाहरी कुत्ता आंगन में घुस आया और बच्ची पर हमला कर दिया। कुत्ते ने उसके सिर और पीठ को नोच लिया। उसने आंगन में बंधी गाय पर भी हमला किया।

बच्ची के रोने की आवाज सुनकर आसपास रहने वाली महिलाएं मौके पर पहुंचीं और कुत्ते को भगाया। इसके बाद बच्ची को अस्पताल ले जाने की व्यवस्था की गई।

अस्पताल पहुंचने से पहले रास्ते में हुई मौत: बच्ची की बड़ी मां मुन्ना बाई और पड़ोसी राजू भाभर उसे शाम करीब 5.45 बजे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। इयूटी डॉक्टर अनीसा बानू खान ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों के मुताबिक, अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में बच्ची की मौत हो गई थी।

शाम करीब 7 बजे शव को पोस्टमॉर्टम के लिए रतलाम मेडिकल कॉलेज भेजा गया। पोस्टमॉर्टम शुक्रवार सुबह होने की जानकारी दी गई है।

अजमेर में मजदूरी कर रहे हैं माता-पिता: पड़ोसी राजू भाभर ने बताया कि मनीषा अपने दादा शंभू भाभर और दादी सागू बाई के साथ गांव में रह रही थी। उसके माता-पिता करीब एक महीने से अजमेर में मजदूरी करते गए हैं।

घटना की सूचना उन्हें दे दी गई है। उनके कल (शुक्रवार) सुबह तक गांव पहुंचने की संभावना है।

राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेशभर के महाविद्यालयों में होगा ‘जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद’

युवाओं को कानूनी जागरूकता, महिला एवं बाल सुरक्षा, साइबर अपराध, नशे से दूरी और यातायात सुरक्षा के प्रति किया जाएगा जागरूक



मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस की सामुदायिक पुलिस शाखा द्वारा उच्च शिक्षा विभाग के सहयोग से राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेशभर के महाविद्यालयों में ‘जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद’ आयोजित किया जा रहा है। अक्टूबर माह के अंतिम सप्ताह में पुलिस मुख्यालयों के प्रमुख महाविद्यालयों में आयोजित होने वाली इन कार्यशालाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को कानून, सुरक्षा और सामाजिक उत्तरदायित्व से जुड़े विभिन्न विषयों की जानकारी दी जाएगी। अभियान का उद्देश्य युवाओं को जिम्मेदार नागरिकता की भावना से जोड़ना तथा उन्हें स्वयं एवं समाज की सुरक्षा में सक्रिय सहभागी बनाना है।

भोपाल में प्रशिक्षित किए गए महाविद्यालयों के प्रतिनिधि: इस अभियान के प्रभावी संचालन के लिए भोपाल में ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स (TOT) कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें प्रदेश के महाविद्यालयों से दो-दो प्रतिनिधियों को आमंत्रित कर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान सामुदायिक सहभागिता से संबंधित विभिन्न विषयों पर विद्यार्थियों के साथ संवाद एवं कार्यशालाएं संचालित करने के लिए प्रतिनिधियों का क्षमता वर्धन किया गया। प्रशिक्षित प्रतिनिधि अब अपने-अपने महाविद्यालयों में विद्यार्थियों के साथ जन सुरक्षा संवाद आयोजित करेंगे। ‘जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद’ के अंतर्गत विद्यार्थियों को संवैधानिक एवं मानवाधिकार संबंधी विषय, कानूनी जागरूकता, महिला एवं बाल सुरक्षा, जेंडर आधारित हिंसा की रोकथाम, नशे से दूरी, साइबर अपराध से बचाव, यातायात सुरक्षा सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी जाएगी। विद्यार्थियों को यह भी बताया जाएगा कि आवश्यकता पड़ने पर उपलब्ध कानूनी प्रावधानों एवं पुलिस सेवाओं का उपयोग कर वे अपनी तथा दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में किस प्रकार योगदान दे सकते हैं।

थानों एवं डायल-112 की कार्यप्रणाली से भी रूबरू होंगे विद्यार्थी: कार्यशालाओं के साथ विद्यार्थियों को पुलिस की कार्यप्रणाली से

प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराने के लिए पुलिस थानों का भ्रमण भी कराया जाएगा। विद्यार्थियों को थाने की विभिन्न व्यवस्थाओं एवं पुलिस की कार्यप्रणाली की जानकारी दी जाएगी। साथ ही डायल-112 सेवा के माध्यम से सूचना प्राप्त होने के बाद फर्स्ट रिस्पॉन्डर द्वारा घटनास्थल पर पहुंचकर की जाने वाली कार्रवाई की प्रक्रिया से भी अवगत कराया जाएगा।

31 अक्टूबर तक जिलों में पूर्ण होगा प्रथम चरण: सामुदायिक पुलिस शाखा द्वारा सभी जिलों को निर्देशित किया गया है कि राष्ट्रीय एकता दिवस 31 अक्टूबर की पूर्व संध्या तक जिला मुख्यालयों पर निर्धारित कार्यशालाओं का आयोजन पूर्ण किया जाए। कार्यक्रम के लिए प्रत्येक जिले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को नोडल अधिकारी तथा संबंधित जिला मुख्यालय के महाविद्यालय के प्राचार्य को प्रभारी अधिकारी बनाया गया है।

पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। जिला मुख्यालय के महाविद्यालयों के

साथ-साथ अन्य महाविद्यालयों में भी चरणबद्ध रूप से कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। एकता दिवस के अवसर पर 31 अक्टूबर को अभियान के प्रथम चरण का समापन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। ‘जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद’ को प्रभावी बनाने में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्राध्यापकों एवं पुलिस अधिकारियों को प्रशस्ति-पत्र एवं सम्मान प्रदान किया जाएगा। युवाओं को सुरक्षा एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति प्रेरित करने में प्रभावी भूमिका निभाने वाले प्रतिनिधियों को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर विद्यार्थियों को नशे से दूरी, साइबर अपराध की रोकथाम तथा जिम्मेदार मतदान सहित जिम्मेदार नागरिकता से जुड़े विषयों पर शपथ भी दिलाई जाएगी।

युवाओं को सामाजिक सुरक्षा से जोड़ने की पहल: ‘जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद’ सामुदायिक पुलिस सहभागिता के अंतर्गत युवाओं को सामाजिक सुरक्षा से जोड़ने की एक महत्वपूर्ण पहल है।

सफलता की कहानी

मेहनत, हुनर और आत्मविश्वास से सपनों को साकार कर रहे हिमांशु चिड़ार



वर्तमान में वे भोपाल स्थित वोल्को आयशर कर्माशियल व्हीकल्स (VECV) कंपनी में कार्यरत हैं, जहाँ उन्हें लगभग ₹15,000 प्रतिमाह वेतन प्राप्त हो रहा है। हिमांशु की यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि आर्थिक परिस्थितियों किसी व्यक्ति की प्रतिभा और आगे बढ़ने की इच्छा को रोक नहीं सकतीं। सही मार्गदर्शन, आधारित प्रशिक्षण और निरंतर मेहनत के माध्यम से युवा अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। हिमांशु की सफलता से उनके परिवार को आर्थिक संबल मिला है।

छतरपुर में मजदूरों से भरी पिकअप पलटी, 37 घायल

16 गंभीर, कटनी से मृगफल की फसल निकालने आ रहे थे मजदूर



मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के किशनगढ़ थाना क्षेत्र में देवरा गांव के पास गुरुवार शाम मजदूरों से भरी एक पिकअप पलट गई। इस हादसे में करीब 37 मजदूर घायल हुए, जिनमें 16 की हालत गंभीर है। ये सभी मजदूर कटनी जिले के वादा इम्लाज गांव से छतरपुर में मृगफली की फसल निकालने आ रहे थे। चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया, जिससे यह हादसा हुआ। शुरुआती जानकारी में ड्राइवर के शराब के नशे में होने की आशंका है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सूचना मिलते ही डायल 112 और पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को पहले बिजावर अस्पताल और फिर छतरपुर जिला अस्पताल भेजा गया। घायलों में शिवा कुमार आदिवासी (14), राधा आदिवासी (20), गयाबाई, सीताबाई, अमियाबाई, संजना, संगीता, पानबाई, नंदनी, लल्लेबाई, राजा, रतनलाल, शिवनंदन, सुरेश, गेंदा और कन्हैया शामिल हैं। शिवा कुमार को गंभीर चोटें आई हैं।

सैमसन, नमन और श्रेयस की अच्छी बल्लेबाजी से भारतीय टीम ने पहले टी20 में न्यूजीलैंड को हराया

क्राइस्टचर्च,एजेंसी। संजू सैमसन के शानदार अर्धशतक और नमन धीर की आक्रामक पारी से भारतीय टीम ने यहां हुए पहले टी20 में मेजबान न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हरा दिया। इस मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर न्यूजीलैंड को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। मेजबानों ने 4 विकेट पर 225 रन बनाये। इस प्रकार भारतीय टीम को जीत के लिए 226 रनों का लक्ष्य मिला जिसे भारतीय टीम ने 6 विकेट के नुकसान पर दो गेंद पहले ही हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत काफी अच्छी रही। सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा ने तेजी से रन बनाये। दोनों ने पहले विकेट के लिए केवल 5.5 ओवर में ही 93 रन बना दिये। अभिषेक ने 12 गेंदों में 2 चौके और 3 छक्कों की मदद से 29 रन बनाये। वहीं नंबर तीन पर उतारे गये तिलक वर्मा विफल रहे और केवल 6 रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गये। सैमसन ने 23 गेंदों में अपने पचास रन पूरे किया। उन्होंने 33 गेंदों की अपनी पारी में 8 चौके और 4 छक्कों की मदद से 67 रन बनाए।

ईशान किशन आज विफल रहे और केवल एक रन ही बना पाये। वहीं अक्षर पटेल ने 14 गेंदों में 24 रन बनाये। इसके

लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे बड़ी जीत दर्ज की



बाद कप्तान श्रेयस अय्यर ने नमन धीर के साथ मिलकर 22 गेंदों में 43 रन जोड़े और पारी को आगे बढ़ाया। अय्यर ने 28 गेंदों में एक चौके और 2 छक्कों की मदद से 42 रन बनाए। अंतिम ओवरों में नमन धीर ने तेजी से बल्लेबाजी करते हुए केवल 15

गेंदों में 42 रनों की नाबाद पारी खेली। नमन ने 5 चौके और 2 छक्के लगाकर भारतीय टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। वहीं, नीतीश कुमार रेड्डी 2 रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की ओर से गेंदबाजी में माइकल बेसवेल और कप्तान मिचेल सेंटनर

ने दो-दो विकेट लिए। वहीं इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड को टिम सीफर्ट और फिन एलन ने अच्छी शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 49 रन जोड़े। सीफर्ट ने 17 गेंदों में 24 रन बनाए। वहीं, एलन 24 गेंदों में 5 चौके और 2 छक्कों की मदद से 45 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। डेरिल मिचेल ने 28 रन जबकि बेवन जैकब्स ने 16 गेंदों में 31 रन बनाए। ग्लेन फिलिप्स ने 40 गेंदों पर नाबाद 82 रन बनाए। फिलिप्स ने अपनी इस पारी में 8 चौके और 3 छक्के लगाए। वहीं भारतीय टीम की ओर से 1 अर्शदीप सिंह, मयंक यादव और अक्षर पटेल ने एक-एक विकेट लिया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे बड़ी जीत दर्ज की

भारतीय बल्लेबाजों ने विस्फोटक प्रदर्शन करते हुए 226 रनों के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया। इससे पहले भारत ने लक्ष्य का पीछा करते हुए साल 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विशाखापट्टनम में 209 रनों का लक्ष्य हासिल किया था।

ईशान चोटिल होने के कारण दूसरे टी20 से बाहर हुए

क्राइस्टचर्च,एजेंसी। यहां शनिवार को मेजबान न्यूजीलैंड के साथ होने वाले दूसरे टी20 क्रिकेट मैच में भारतीय टीम को ईशान किशन के बिना ही उतरना पड़ेगा। इसका कारण है कि ईशान चोटिल होने के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 से बाहर हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई ने कहा है कि ईशान को क्राइस्टचर्च में खेले गए पहले मैच के दौरान दाहिने पैर की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। इसी वजह से ईशान तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए नहीं आए थे, उनकी जगह तिलक वर्मा उतरे थे वह हालांकि 6 रन बना पाए। ईशान भी पांचवें नंबर पर उतरने के बाद असफल रहे और केवल 1 रन बना पाये। बीसीसीआई ने कहा है कि ईशान किशन की जगह पर वैभव सूर्यवंशी को शामिल किया जा सकता है।

भारतीय टीम इस प्रकार है : श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), वैभव सूर्यवंशी, तिलक वर्मा (उपकप्तान), अक्षर पटेल, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, नमन धीर, प्रिंस यादव, मयंक यादव, अर्शदीप सिंह, भुवनेश्वर कुमार, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव।



चैपल के दौर में खिलाड़ियों के रिश्तों में खटास आई : हरभजन



चंडीगढ़, एजेंसी। भारतीय टीम के सबसे विवादस्पद मुख्य कोच के तौर पर ग्रेग चैपल को जाना जाता है। चैपल को हालांकि बढ़ते विरोध के कारण साल 2007 विश्वकप में पद छोड़ना पड़ा था। वहीं दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने उस दौर को याद करते हुए कहा है कि चैपल का प्रयास फूट डालो और राज करो का रहता था। हरभजन ने उस दौर पर खुलकर अपनी नाराजगी जाहिर की है। हरभजन ने कहा कि चैपल के आने से पहले भारतीय टीम का ड्रैसिंग रूम मजबूत था पर उनके कार्यकाल में खिलाड़ियों के संबंध खराब हुए। हरभजन के अनुसार , टीम के भीतर ऐसा माहौल बन गया था कि साथ

खेलने वाले खिलाड़ी एक-दूसरे से बात करने से भी बचने लगे थे। हरभजन ने कहा, तब कप्तान रहे सौरव गांगुली के साथ चैपल ने जिस तरह का व्यवहार किया और भारतीय टीम के साथ उन दिनों जो कुछ हुआ, वह भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे काले और खराब अध्यायों में से एक था। उन्हें मुख्य कोच बनाना भारतीय क्रिकेट प्रबंधन के सबसे खराब फैसलों में से एक था। गौरतलब है कि जून 2005 में भारतीय टीम के मुख्य कोच बने चैपल का गांगुली के साथ विवाद जल्द ही सार्वजनिक हो गया। इसी बीच जिम्बाब्वे दौर पर गांगुली को एक मैच से बाहर बैठने का सुझाव दिए जाने के बाद ये तनाव और बढ़ गया।

इसके बाद चैपल ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड को संदेश भेजकर गांगुली की फिटनेस और कप्तानी पर सवाल उठाए। ये बात सार्वजनिक होने से भारतीय क्रिकेट में हड़कंप मच गया और टीम के भीतर चल रहे मतभेद चर्चा का विषय बन गए। हरभजन ने इस पूरे दौर को भारतीय क्रिकेट के सबसे खराब अध्यायों में से एक करार दिया। उन्होंने कहा कि 2003 एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल तक पहुंचने वाली टीम में शानदार तालमेल था, लेकिन चैपल के कार्यकाल में वह एकजुटता बिखर गई। चैपल के कार्यकाल में सिर्फ सौरव गांगुली के साथ ही मतभेद नहीं रहे। यहां तक कि महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से भी उनकी नहीं बनी। ये बात भी सामने आई थी कि विश्व कप 2007 से कुछ महीने पहले चैपल ने उन्हें राहुल द्रविड़ की जगह कप्तानी संभालने का सुझाव दिया था। सचिन के अनुसार, चैपल ने उनके सामने भारतीय क्रिकेट को मिलकर नियंत्रित करने की बात कही थी। हरभजन मानते थे कि चैपल की रणनीति खिलाड़ियों के बीच मतभेद पैदा करने की थी, इसी कारण टीम का प्रदर्शन भी प्रभावित हुआ।



पेरिस में फ्रेंच ओपन बैडमिंटन के एकल राउंड 16 में खेलती हुई डेनमार्क की मिया ब्लीफील्ड

अर्णव सहित पांच खिलाड़ी मुंबई ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

मुम्बई,एजेंसी। भारत के अर्णव पापरकर, करण सिंह और दिग्विजय प्रताप सिंह के अलावा अमेरिका के समीर बनर्जी और गैरेट जॉन्स ने मुंबई ओपन आईटीएफ पुरुष एम25 टेनिस चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। पापरकर ने थाईलैंड के थानापेट को 6-2, 6-4 से हराया। वहीं तीसरी वरीयता प्राप्त करण सिंह ने आदिल कल्याणपुर को 6-1, 6-1 से जबकि चौथी वरीयता प्राप्त दिग्विजय प्रताप सिंह ने कंडे मुकाबले के बाद अमेरिका के अधिल्य गणेशन को तीन सेट तक चले मुकाबले में 6-3, 4-6, 7-5 से पराजित किया। वहीं अमेरिका के छठी वरीयता प्राप्त समीर बनर्जी ने भी सीधे सेटों में जीत दर्ज की। उन्होंने भारत के समर्थ सहित को 6-3, 6-2 से हराया। एक अन्य मुकाबले में भारत के ही सातवीं वरीयता प्राप्त सिद्धार्थ रावत ने अपनी ही साथी खिलाड़ी सूरज आर. प्रबोध को 7-6, 6-1 से हराया। चिराग दुहान ने भी अंतिम आठ में प्रवेश किया। अमेरिका के गैरेट जॉन्स ने भारत के मनीष सुरेश कुमार को 7-6, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी। वहीं युगल वर्ग में भी भारत के शीर्ष वरीयता प्राप्त एसडी प्रज्जवल देव और नितिन कुमार सिन्हा की जोड़ी ने आदित्य बालसेकर और रोहन मेहरा को 7-6 (6), 6-4 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई।



मोरक्को में फीफा अंडर-17 महिला विश्वकप कप के ग्रुप ई फुटबॉल मैच में खेलती हुई चीन की ली याकी और समोआ की तैमानी डिवोक्स

हैरी ब्रूक एकदिवसीय में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने

शुभमन का रिकार्ड तोड़ा

रावलपिंडी,एजेंसी। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने यहां त्रिकोणीय एकदिवसीय सीरीज के तीसरे मैच में श्रीलंका के खिलाफ केवल 114 गेंदों में ही दोहरा शतक लगाकर एक विश्व रिकार्ड बनाया है। इसी के साथ ही हैरी ने सबसे तेज दोहरे शतक का भारतीय टीम के बल्लेबाज शुभमन गिल का रिकार्ड तोड़ दिया है। शुभमन ने हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ 117 गेंदों में दोहरा शतक लगाया था। हैरी एकदिवसीय क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने वाले इंग्लैंड के एकमात्र बल्लेबाज हैं।

हैरी ने श्रीलंकाई गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं देते हुए 116 गेंदों पर 202 रन बना दिये। अपनी इस आतिशी पारी में उन्होंने 21 चौके और 10 छक्के लगाये। ब्रूक अपनी इस पारी से इंग्लैंड के लिए एकदिवसीय में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड बेन स्टोक्स के नाम था। स्टोक्स ने साल साल 2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 182 रन बनाये थे।

हैरी के दोहरे शतक से ही इंग्लैंड टीम 429 रन बनाने में सफल रहे हालांकि इसके बाद भी उसे हार का सामना करना पड़ा।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी रही। ओपनर टॉम बैटन (50) और बेन डकेट (29) ने पहले विकेट के लिए 74 रन जोड़े। इसके बाद जो रूट (69) और हैरी ब्रूक ने तीसरे विकेट के लिए 127 गेंदों में 159

रनों की मजबूत साझेदारी की। रूट के आउट होने के बाद रावलपिंडी में हैरी ब्रूक और विल जैक्स का तूफान आया। ब्रूक और जैक्स ने मिलकर महज 77 गेंदों में 185 रनों की आतिशी साझेदारी की। जैक्स ने सिर्फ 30 गेंदों में 8 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 66 रनों का रिकार्ड तोड़ा।



धुआंधार पारी खेली। इन तूफानी पारियों के दम पर इंग्लैंड ने निर्धारित 50 ओवरों में 4 विकेट के नुकसान पर 429 रनों का पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा किया। वनडे क्रिकेट के इतिहास में यह 8वां मौका है जब इंग्लैंड ने 400 से अधिक का स्कोर बनाया है।

स्वियातेक शायद ही कर पाये डब्ल्यूटीए फाइनल्स के लिए क्वालीफाई



वुहान , एजेंसी। पोलैंड की महिला टेनिस स्टार इगा स्विजातेक बाई जांच में लगातार बनी हुई चोट के कारण आजकल खेल से दूर हैं। इसी कारण स्विजातेक को लिंगबो ओपन से भी अपना नाम वापस लेना पड़ा है। अब इस स्टार खिलाड़ी के इस साल के अंत में होने वाले डब्ल्यूटीए फाइनल्स में सीधे क्वालीफाई करने की संभावनाएं भी कम हुई हैं। अब स्विजातेक को केवल वैकल्पिक खिलाड़ी के तौर पर ही प्रवेश करना मिल सकता है। स्विजातेक को यह चोट वुहान ओपन के सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान लगी थी, जहां उनका मुकाबला अपने ही देश की खिलाड़ी माजा च्वाल्लिंस्का से हुआ था। इसके बाद से ही स्विजातेक

फिटनेस हासिल करने के प्रयास में लगी हैं। इसी कारण स्विजातेक के लिए डब्ल्यूटीए फाइनल्स में सीधे जाह बनाने का रास्ता तकरीबन बंद हो गया है। साल के अंत में होने वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के लिए क्वालीफिकेशन की दौड़ में वह अभी वह नौवें स्थान पर हैं। वहीं सीधे क्वालीफाई करने के लिए केवल एक स्थान बचा था और स्विजातेक चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा के साथ इस स्थान की दौड़ में शामिल थीं। कैरोलिना अभी सातवें स्थान पर हैं। जिससे स्विजातेक के लिए कोई अवसर नहीं है। वहीं स्विजातेक ने कहा कि अभी उसके लिए आराम करते हुए फिटनेस हासिल करना जरूरी है।

मैनचेस्टर यूनाइटेड के पूर्व कोच हैग ने रोनाल्डो से हुए विवाद पर सफाई दी

लंदन ,एजेंसी। पूर्व कोच एरिक टेन हैग ने स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ मैनचेस्टर यूनाइटेड में रहने के दौरान हुए विवाद और उनके टीम छोड़ने को लेकर अब चार साल बाद अपनी सफाई दी है। कोच हैग ने कहा कि उनके बीच विवाद रोनाल्डो की तैयारी, फिटनेस और टीम की जरूरतों के मुताबिक काम करने में कमी के कारण हुआ था। टेन हैग अप्रैल 2022 में मैनचेस्टर यूनाइटेड के कोच बने थे, जब रोनाल्डो पहले से ही टीम के प्रमुख सदस्य थे। रोनाल्डो अगस्त 2021 में रियल मैड्रिड और युवेंटस



के साथ खेलने के बाद दूसरी बार ओल्ड ट्रैफर्ड लौटे थे। टेन हैग ने बताया कि कोच का पद संभालने से पहले वे रोनाल्डो से मिलने पुर्तगाल गए थे। वे रोनाल्डो को फुटबॉल इतिहास के महान खिलाड़ियों में से एक मानते थे पर उन्हें टीम के व्यापक हित में व्यावहारिक और कठोर फैसले लेने पड़े।

हैग के अनुसार, रोनाल्डो टीम की तय फिजिकल और खेल संबंधी जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि रोनाल्डो न केवल कुछ अभ्यास सत्रों से हट जाते थे, बल्कि जब वे अभ्यास करते भी थे,

तब उनकी तैयारी उस स्तर की नहीं होती थी जैसा होना चाहिये था। अगस्त 2022 में ब्रेटफोर्ड से 4-0 की करारी हार के बाद खिलाड़ियों को कराए गए अनिवार्य 3 चक्करों का उदाहरण देते हुए हैग ने बताया कि रोनाल्डो ने उनमें से केवल 2 चक्कर पूरे किए थे। टेन हैग ने कहा कि रोनाल्डो ने टीम और उन्हें निराश किया, क्योंकि क्लब ने उनके साथ आगे की लंबी योजना बनाई थी।कोच ने यह भी स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य रोनाल्डो से लगातार विरोधी खिलाड़ियों के पीछे दौड़ने की मांग करना नहीं था। उनकी मुख्य चिंता

यह थी कि रोनाल्डो खुद को गोल करने की सही जगह तक पहुंचाने के लिए जरूरी तैयारी और फिटनेस हासिल नहीं कर रहे थे। टेन हैग के अनुसार, किसी भी बड़े खिलाड़ी को टीम के लिए मिलकर काम करना पड़ता है। उन्होंने यह भी दावा किया कि रोनाल्डो अभ्यास के दौरान साथी खिलाड़ियों से अपनी ऊर्जा बचाकर रखने को कहते थे, जबकि उनके अनुसार पहले सही फिटनेस हासिल करना प्राथमिक आवश्यकता थी।दोनों के बीच विवाद अक्टूबर 2022 में सार्वजनिक रूप से सामने आया।

जनसंवाद में 48 आवेदनों की हुई सुनवाई, सीएम हेल्पलाइन के लंबित 6660 प्रकरणों का निराकरण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को सतना जिले के चित्रकूट नगर पंचायत के अंतर्गत चित्रकूट विकास प्राधिकरण के सभागार में जन संवाद, जनसुनवाई, उद्योग संवाद की गतिविधियों के साथ आयोजित किया गया। इस मौके पर प्रत्यक्ष जनसुनवाई में 48 आवेदनों की समस्यायें सुनी गईं तथा जनपद पंचायत मझगांव के अंतर्गत आयोजित इस द्वितीय शिबिर में अभियान के पूर्व की लंबित 8326 कुल सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों में से 6660 शिकायतों का अभियान के दौरान निराकरण किया गया। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के कार्यक्रम में कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष साधना पटेल, जिला विकास समिति के सदस्य ओमप्रकाश शर्मा, प्रबल श्रीवास्तव, एसडीएम



महिपाल सिंह गुर्जर, डिप्टी कलेक्टर संदीप परस्ते, सीएमओ नगर परिषद अंकित सोनी सहित जिला विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे। चित्रकूट विकास प्राधिकरण के सभागार में कलेक्टर एसपी सहित विभाग प्रमुख अधिकारियों ने आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना और निराकरण की कार्यवाही की

विभागीय अधिकारियों ने अपने विभाग से संबंधित सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों का निराकरण किया। कलेक्टर ने स्थानीय स्तर पर जनसुनवाई में आये लोगों की शिकायतों को गंभीरता से सुना और उनके त्वरित निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए अभियान के दौरान सभी विभागों ने उनके यहां

लंबित सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का मौके पर संतुष्टिपूर्ण निराकरण की कार्यवाही की जनसुनवाई में 48 आवेदकों की समस्यायें सुनी गईं और अभियान के पूर्व से लंबित 6660 सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का निराकरण विभागीय अधिकारियों द्वारा किया गया। अभियान के पूर्व जनपद पंचायत मझगांव क्षेत्र में

सभी विभागों की कुल 8326 सीएम हेल्पलाइन की शिकायतें लंबित थी जिनमें 6660 शिकायतों की अभियान के दौरान निराकरण के पश्चात 1666 शिकायतें शेष रही हैं। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के शिबिर के दौरान कलेक्टर ने चित्रकूट में 6 नवम्बर से 10 नवम्बर तक लगने वाले पांच दिवसीय दीपावली मेले की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों द्वारा अब तक की गई कार्यवाहियों की समीक्षा की उन्होंने कहा कि शिबिर के पश्चात सभी विभाग प्रमुख अधिकारी उन्हें दीपावली मेले से संबंधित सौंपे गये उत्तरदायित्वों और कार्य स्थलों का निरीक्षण कर आवश्यक तैयारियों पर फोकस करें। इस दौरान कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग पंकज खडारी और एसडीओ अभिषेक अहिरवार को मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान शिबिर में अनुपस्थित रहने पर एक दिवस का वेतन काटने के निर्देश दिये इसी प्रकार मुख्य कार्यपालन

अधिकारी जनपद पंचायत मझगांव राहुल पाण्डेय की विलंब से उपस्थिति पर अप्रसन्नता प्रकट की कलेक्टर ने किया परिक्रमा पथ और हनुमानधारा का निरीक्षण मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के शिबिर के पश्चात कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह ने संबंधित अधिकारियों के साथ चित्रकूट में दीपावली मेला की तैयारियों के दृष्टिगत परिक्रमा पथ हनुमानधारा सहित विभिन्न स्थलों एवं पार्किंग के चिह्नकित स्थानों का निरीक्षण किया परिक्रमा पथ के निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधीक्षण यंत्री विद्युत वितरण कंपनी को लंका तिराहे से गौरीहार मंदिर और गौरीहार मंदिर से प्राचीन मुखार बिन्द पीली कोठी तक मध्यप्रदेश भाग के सम्पूर्ण के परिक्रमा पथ के विद्युत पोलो पर प्लास्टिक पाइप लगाने और इस बीच पडने वाले ट्रंसफर्मरों में सुरक्षात्मक कार्यवाहियां शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये।

सतना हाफ मैराथन में जुटेंगे 22 राज्यों के 5 हजार से अधिक धावक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा आयोजित सतना हाफ मैराथन 2026 के सातवें संस्करण की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। फिट इंडिया अभियान की भावना के अनुरूप आयोजित इस आयोजन में देश के 22 राज्यों से 5 हजार से अधिक महिला एवं पुरुष धावकों के शामिल होने की उम्मीद है। मैराथन में 5, 10 और 21 किलोमीटर की दौड़ आयोजित होगी रविवार सुबह छह बजे जनप्रतिनिधियों एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा हरी झंडी दिखाकर धावकों को खाना किया जाएगा। 21 किलोमीटर के मार्ग पर धावकों के लिए पेयजल, एनर्जी ड्रिंक, मेडिकल वाहन और फिजियोथेरेपिस्ट की व्यवस्था रहेगी। प्रतियोगिता में आधुनिक आरएफआईडी टाइमिंग सिस्टम का उपयोग किया जाएगा जिससे प्रत्येक धावक का समय पारदर्शी तरीके से दर्ज होगा। एडिप्स स्पोर्ट्स कंपनी आयोजन के तकनीकी एवं खेल प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालेगी। महिला खिलाड़ियों की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से 5 किलोमीटर दौड़ में महिलाओं के लिए नि:शुल्क पंजीयन की व्यवस्था की गई है। यह पहल स्वर्गीय शांति

मिश्रा की जन्म शताब्दी के अवसर पर श्रद्धांजलि के रूप में की गई है। देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले खिलाड़ियों के लिए आवास एवं भोजन की व्यवस्था भी की गई है। आयोजन स्थल शासकीय कैंट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ब्रम्हर्क-1 के मैदान में तैयारियां तेज हैं। दिल्ली से एडिप्स स्पोर्ट्स की टीम पहुंचकर पंजीयन किट और टी-शर्ट वितरण की व्यवस्थाएं संभालेगी। मैराथन का विभिन्न टीवी चैनलों एवं मीडिया प्लेटफॉर्म पर सीधा प्रसारण किया जाएगा। मार्ग पर ड्रैन से पुष्पवर्षा और शहरवासियों द्वारा धावकों के भव्य स्वागत की भी तैयारी है। दौड़ से पूर्व एंकर अनुप्रिया सिन्हा द्वारा जुबा एवं वार्म-अप गतिविधियां काई जाएंगी। विजेताओं को चार लाख रुपये से अधिक की नकद पुरस्कार राशि के साथ मेडल, स्मृति चिह्न और प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे। आयोजन का उद्देश्य सतना में खेल संस्कृति, स्वास्थ्य जागरूकता, महिला सशक्तीकरण और युवाओं की खेलों में भागीदारी को बढ़ावा देना है। आयोजकों के अनुसार यह आयोजन विंध्य एवं कुंरलखंड की संस्कृति को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का भी माध्यम बनेगा।

बिरहुली रेलवे ओवरब्रिज निर्माण में हो रही देरी, जनता में बढ़ा आक्रोश

नवंबर 2025 तक पूरा होना था काम, अब तक अधूरा रामशंकर पयासी ने दी आंदोलन की चेतावनी



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना-रिमलिया मार्ग स्थित बिरहुली रेलवे यार्ड में निर्माणधीन रेलवे ओवरब्रिज का काम निर्धारित समय सीमा बीत जाने के बाद भी पूरा नहीं हो सका है बताया जा रहा है कि ओवरब्रिज का निर्माण नवंबर 2025 तक पूर्ण हो जाना था, लेकिन समय सीमा समाप्त हुए करीब एक वर्ष बीतने के

बावजूद निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है। इतना ही नहीं निर्माण की मौजूदा गति को देखते हुए इसके जल्द पूरा होने के आसार भी नजर नहीं आ रहे हैं। रेलवे से जुड़े इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट में हो रही लेटलतफी का खामियाजा क्षेत्र के लोगों और राहगीरों को भुगतना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, ओवरब्रिज का निर्माण पूरा नहीं होने के कारण उन्हें वैकल्पिक मार्ग से करीब 8 किलोमीटर का अतिरिक्त सफर तय करना पड़ता है। वहीं नैना-सगमनिया मार्ग की खराब स्थिति ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी है। रोजाना आवागमन करने वाले ग्रामीणों, वाहन चालकों और अन्य राहगीरों को समय और धन दोनों की

अतिरिक्त लागत उठानी पड़ रही है। स्थानीय रहवासी लंबे समय से रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण पूरा होने का इंतजार कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि निर्माण की यही रफ्तार रही तो काम पूरा होने में अभी लंबा समय लग सकता है। इससे क्षेत्रवासियों में नाराजगी लगातार बढ़ रही है। पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रामशंकर पयासी ने रेलवे ओवरब्रिज के अधूरे निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जनता को लंबे समय से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यदि जल्द निर्माण कार्य पूरा नहीं कराया गया तो कांग्रेस पार्टी आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी जिसकी पूरी जवाबदारी प्रशासन की होगी।

माँ की पुण्यतिथि पर पुत्र ने किया रक्तदान बेटी को मिला नया जीवनदान



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मां की पुण्यतिथि केवल उन्हें स्मरण करने का दिन नहीं बल्कि उनके संस्कारों को जीवन में उतारने का अवसर भी है। इसी भावना को चरितार्थ करते हुए एक पुत्र ने अष्टमी के पावन अवसर पर अपनी मां की पुण्यतिथि पर रक्तदान कर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके इस रक्तदान से जस्तरतमंद बेटी को जीवनरक्षक रक्त उपलब्ध हुआ और उसके जीवन में नई उम्मीद जगी। रक्त प्रेक एवं सिंधु विक्सस समिति के अध्यक्ष विनोद गेलानी ने बताया कि अष्टमी के दिन सुपर स्टार अस्पताल में भर्ती पूनम यादव

को रक्त की आवश्यकता थी। सूचना मिलने पर समाजसेवी दत्तक कुमार तीर्थवानी काली ने रात में अस्पताल पहुंचकर रक्तदान किया और मरीज को जीवनदान देने का प्रयास किया। रक्तदाता काली ने कहा कि मां आज हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनके दिए संस्कार और उनकी ममता हमेशा हमारे साथ हैं। उनकी पुण्यतिथि पर किसी जस्तरतमंद को रक्त देकर उसके जीवन के काम आना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। अष्टमी के पावन दिन किया गया यह रक्तदान मानवता मातृप्रेम और सेवा की अद्भुत मिसाल बन गया। एक ओर मां की स्मृति को नमन किया गया तो दूसरी ओर एक बेटी के जीवन की बचाने की कोशिश की गई। मां की याद में दिया गया रक्त का यह उपहार किसी बेटी के लिए जीवन का आधार बन गया। रक्तदान केवल रक्त देना नहीं बल्कि किसी परिवार की उम्मीद बचाना है। ऐसे सेवाभावी प्रयास समाज के प्रेरणा देते हैं। कि अपने प्रियजनों की स्मृति को केवल शब्दों में नहीं बल्कि मानव सेवा के कार्यों से जीवंत रखा जाए। समाजसेवियों ने भी लोगों से नियमित रक्तदान कर जस्तरतमंद मरीजों की सहायता करने की अपील की।

राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी सतना आएंगी



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रदेश की नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी 24 अक्टूबर को सतना आएंगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वे प्रातः 6.30 बजे रेवांचल एक्सप्रेस से सतना पहुंचेंगी। राज्यमंत्री के सतना आगमन को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। रेलवे स्टेशन पर उनके स्वागत और सुरक्षा व्यवस्था के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। स्टेशन से राज्यमंत्री के निर्धारित कार्यक्रम स्थल तक आवागमन के लिए भी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। प्रतिमा बागरी नगरीय विकास एवं आवास

विभाग से जुड़े विभिन्न विषयों की समीक्षा कर सकती हैं। उनके प्रवास के दौरान जिले में नगरीय विकास, आवास योजनाओं, स्वच्छता, पेयजल व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं से संबंधित कार्यों की जानकारी लिए जाने की संभावना है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से मुलाकात के दौरान क्षेत्र की विकास आवश्यकताओं पर भी चर्चा हो सकती है। राज्यमंत्री के आगमन को लेकर विभागीय अधिकारियों ने संबंधित योजनाओं और प्रगति कार्यों की जानकारी तैयार करना शुरू कर दिया है। नगर निकायों से जुड़े अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों की उपलब्धियों और लंबित कार्यों का विवरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने राज्यमंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए यातायात सुरक्षा और प्रोटोकॉल व्यवस्था को लेकर भी तैयारियां की हैं। उनके सतना पहुंचने के बाद आगे के कार्यक्रम की जानकारी विभागीय स्तर पर जारी की जाएगी।

गौशाला का आकस्मिक निरीक्षण, पशुओं के स्वास्थ्य और चारा व्यवस्था पर दिए निर्देश



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा जिले की विभिन्न गौशालाओं का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया जा रहा है। इसी क्रम में उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ. एपी सिंह ने ग्राम पालेव स्थित लक्ष्मी गौशाला का

आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गौशाला में उपलब्ध व्यवस्थाओं का बारीकी से परीक्षण करते हुए पशुओं के स्वास्थ्य, पेयजल चारा एवं भूसा भंडारण की स्थिति की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान गौशाला में पशुओं के लिए भूसे एवं पेयजल की व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। उपसंचालक ने गौशाला



प्रबंधन को निर्देशित किया कि पशुओं के लिए पर्याप्त मात्रा में भूसे एवं अन्य आवश्यक चारे की उपलब्धता हमेशा सुनिश्चित रखी जाए। उन्होंने भूसे के समुचित एवं सुरक्षित भंडारण के विवरण जोर देते हुए कहा कि चारे की कमी के कारण किसी भी पशु को परेशानी न हो। इसके लिए आवश्यकतानुसार पूर्व से ही भंडारण

की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। डॉ. सिंह ने गौशाला में मौजूद पशुओं के स्वास्थ्य की भी जानकारी ली तथा उनके नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पशुओं के उचित रखरखाव, स्वच्छता एवं समय पर उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। बीमार अथवा कमजोर पशुओं की

पहचान कर उनके उपचार पर विशेष ध्यान देने के लिए गौशाला प्रबंधन को निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान पशुओं में नरल सुधार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कृत्रिम गर्भाधान (एआई) की व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि उन्नत नरल के पशुओं की संख्या बढ़ाने के लिए निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कृत्रिम गर्भाधान की सुविधा का प्रभावी उपयोग किया जाए। उपसंचालक ने गौशाला प्रबंधन को निर्देशित किया कि शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुरूप पशुओं की देखभाल चारा-पानी और स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाएं निरंतर बेहतर बनाए रखें। उन्होंने स्पष्ट किया कि गौशालाओं में रहने वाले पशुओं के संरक्षण एवं बेहतर देखभाल में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

सतना-देवेन्द्र नगर एवं रीवा-चुरहट रेल लाइन का उद्घाटन 24 अक्टूबर को

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना-देवेन्द्र नगर एवं रीवा-चुरहट रेल लाइन के उद्घाटन तथा केन्द्र नारा-चुरहट में सेवा के शुभारंभ का कार्यक्रम शनिवार 24 अक्टूबर 2026 को दोपहर 2 बजे नागौद एवं चुरहट रेलवे स्टेशन पर आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में रेल लाइन का उद्घाटन एवं नई सेवा को हरी झंडी दिखाकर खाना किया जाएगा। कार्यक्रम की मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स के नरेश प्रदीप सिंह के अध्यक्षता में होगा। इस अवसर पर नागौद और चुरहट के कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री रुद्रेश शुक्ला, नगरीय विक्सस एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी, सतना संसद गणेश सिंह, रीवा संसद जनार्दन मिश्र, खजुराहो संसद विधुप दत्त शर्मा तथा सीधी संसद डॉ. रंजित मिश्रा की गतिमयी उपस्थिति रहेगी।